RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:164 ता. 19 दिसम्बर 2023, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कोरोना रिटर्न्स! अब इस राज्य ने जारी कर दी एडवाइजरी, मास्क पहनने की भी सलाह

बेंगलुरू। देश में एक बार फिर कोरोना ने रफ्तार पकड़ ली है। कोरोना ने पिछले 24 घंटे में 335 नए केसों के साथ अपनी गंभीरता दिखा दी है। इसके साथ ही यूपी और केरल में कोरोना से पांच लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। कोरोना के नए वेरिएंट जेएन-1 की केरल में दस्तक के साथ ही देश के सभी राज्यों ने अपने यहां स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा बढ़ा दी है। केरल में कोरोना का सबसे घातक वेरिएंट पकड़ में आया है। इससे सबक लेते हुए कर्नाटक सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने प्रदेश के सभी वरिष्ठ नागरिकों और अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मास्क पहनने की सलाह जारी की है। देश में एक बार कोरोना लौट रहा है। सर्दियों के साथ कोरोना की जोरदार वापसी ने केंद्र सरकार के कान खड़े कर दिए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को अपने हेल्थ बुलेटिन में कहा कि रविवार को कोरोना के 335 नए केस सामने आए। साथ ही यूपी में एक और केरल में चार लोगों की मौत दर्ज हुई। कोरोना के एक्टिव केस 1700 से ज्यादा हो गए हैं। केरल में कोरोना का सबसे नया वेरिएंट पकड़ में आया है, जिसने पहले सिंगापुर और फिर अमेरिका और चीन में केसों कोकाफी बढ़ा दिया है। पड़ोसी राज्य में कोरोना के बढ़ते केसों के देखते हुए कर्नाटक सरकार ने भी एडवाइजरी जारी की है। राज्य के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सोमवार को वरिष्ठ नागरिकों और अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी। कर्नाटक के कोडागु में पत्रकारों से बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने हालांकि यह भी कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्कता जरूरी है। उन्होंने कहा, हमने कल एक बैठक की जहां हमने चर्चा की कि क्या कदम उठाए जाने चाहिए? हम जल्द ही एक एडवाइजरी जारी करेंगे। फिलहाल जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है और जिन्हें दिल की समस्या है और अन्य गंभीर बीमारियाँ हैं, उन्हें मास्क पहनना चाहिए।

पीएम मोदी ने स्वर्वेद महामंदिर का उद्घाटन किया

देश गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और विरासत पर कर रहा गर्व-पीएम मोदी

वाराणसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि देश अब गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और अपनी विरासत पर गर्व कर रहा है। सोमवार को स्वर्वेद मंदिर बनकर तैयार होना, इसी ईश्वरीय प्रेरणा का उदाहरण है। विश्वास है कि इस महायज्ञ की हर एक आहूति से विकसित भारत का संकल्प और सशक्त होगा।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को 180 फीट ऊंचे सात मंजिला स्वर्वेद महामंदिर का उद्घाटन किया। यह मंदिर दुनिया का सबसे अनोखा मंदिर है।

उन्होंने कहा कि हर बार की तरह इस बार का भी काशी प्रवास सुखद रहा। उन्होंने कहा कि विरासत और विकास की पटरी पर आज भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। काशी में स्वर्वेद मंदिर के लोकार्पण में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति को निशाना बनाया गया। देश अपनी विरासत पर गर्व करना भूल गया था। अब समय का चक्र बदल गया है। देश अब गुलामी की सोच से मुक्त हो रहा है। गुलामी के कालखंड में अत्याचार हुआ। देश आधुनिकता में भी

तेजी से बढ़ रहा है। आजादी के बाद इन सांस्कृतिक प्रतीकों का पुनर्निर्माण आवश्यक था। अगर हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देते तो देश के भीतर एकजुटता और आत्मसम्मान का भाव मजबूत होता। लेकिन, दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। मोदी ने कहा कि आजादी के सात दशक बाद आज समय का चक्र एक बार फिर घुमा है। देश अब लालकिले से गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और अपनी विरासत पर गर्व की

● **हर बार की तरह इस बार का भी काशी प्रवास सुखद रहा। उन्होंने कहा कि विरासत और विकास की पटरी पर आज भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। काशी में स्वर्वेद मंदिर के लोकार्पण में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।**

घोषणा कर रहा है। जो काम सोमनाथ से शुरू हुआ था, वो अब एक अभियान बन गया है। आज काशी में विश्वनाथ धाम की भव्यता भारत के अविनाशी वैभव की गाथा गा रही है। मोदी ने कहा कि सरकार, समाज और संतगण, सब साथ मिलकर काशी के कायाकल्प के लिए काम कर रहे हैं। काशी का मतलब स्वच्छता और बदलाव है। पानी की बूंद-बूंद बचाना जरूरी है। वाराणसी में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने कभी भौतिक उन्नति को भौगोलिक विस्तार और शोषण का माध्यम नहीं बनने दिया। भौतिक प्रगति के लिए भी हमने आध्यात्मिक और मानवीय प्रतीकों की रचना की। हमने काशी जैसे जीवंत सांस्कृतिक केंद्रों का आशीर्वाद लिया। मोदी ने कहा कि स्वर्वेद मंदिर भारत के सामाजिक और आध्यात्मिक सामर्थ्य का एक आधुनिक प्रतीक है। इसकी दीवारों पर स्वर्वेद को बड़ी सुंदरता के साथ अंकित किया गया है। वेद, उपनिषद, रामायण, गीता और महाभारत आदि ग्रन्थों के दिव्य संदेश भी इसमें चित्रों के जरिये उकेरे गए हैं। इसलिए ये मंदिर एक तरह से अध्यात्म, इतिहास और संस्कृति का जीवंत उदाहरण हैं। मोदी ने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जो सदियों तक विश्व के लिए आर्थिक समृद्धि और भौतिक विकास का उदाहरण रहा है। हमने प्रगति के प्रतिमान गढ़े हैं, समृद्धि के सौपान तय किए हैं। भारत ने कभी भौतिक उन्नति को भौगोलिक विस्तार और शोषण का माध्यम नहीं बनने दिया। भौतिक प्रगति के लिए भी हमने आध्यात्मिक और मानवीय प्रतीकों की रचना की। हमने काशी जैसे जीवंत सांस्कृतिक केंद्रों का आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विधायक पद की शपथ ली

भोपाल। नवगठित सोलहवीं विधानसभा के चार दिवसीय विशेष के पहले दिन आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने विधायक पद की शपथ ग्रहण की।

सदन की कार्यवाही का संचालन सामयिक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) गोपाल भार्गव ने किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विधायक पद की शपथ ग्रहण की और आवश्यक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शपथ ली।

शपथ ग्रहण करने के क्रम में वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह तोमर, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, वरिष्ठ सदस्य कैलाश विजयवर्गीय,

प्रहलाद पटेल और अन्य सदस्यों ने इस कार्य को विधिसम्मत ढंग से पूर्ण किया। पूर्व मंत्री जयंत मलैया, श्रीमती अर्चना चिटनिस और अन्य सदस्यों ने भी विधायक पद की शपथ ली। नवनिर्वाचित सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण करने का क्रम आज और कल जारी रहेगा। आज से प्रारंभ हुआ चार दिवसीय विशेष सत्र गुरुवार तक प्रस्तावित है। इस दौरान सभी 230 विधायकों को शपथ दिलायी जाएगी। बीस दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का निर्वाचन होगा और इसी दिन राज्यपाल का अभिभाषण प्रस्तावित है।

मल्लिकार्जुन खडगे ने की 'देश के लिए करें दान' अभियान की शुरुआत

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पार्टी की स्थापना के 138वें साल पर सोमवार को पार्टी के देश के लिए करें दान अभियान की शुरुआत की और कहा कि इस अभियान में देश के बाग़रीक़ों के सहयोग से आम जन की प्रगति में मदद मिलेगी।

श्री खडगे ने आज यहां अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि देश के लिए दान करने से कांग्रेस आम जनता से मदद लेकर देश को आगे ले जाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कांग्रेस को हमेशा ही आम जनता की मदद मिलती रही है। महात्मा गांधी जी ने भी देशवासियों की मदद लेकर देश को आजादी दिलाई थी। यह पूरे देश में एक मुहिम बन रही है जिसमें लोग आगे आकर देश के लिए डोनेट कर रहे हैं।

अभियान को सफल बनाने के लिए दान देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा , डोनेट फ़ॉर देश अभियान हाशिए पर रहने वाले समुदायों के अधिकारों को बनाए रखने, असमानताओं को पाटने और गिने-चुने पूंजीवादियों का पक्ष लेने

वाली तानाशाही सरकार के ख़िलाफ़ एक मजबूत विपक्ष बनने की प्रतिबद्धता है। इसके लिए डोनेट.इन पर लॉग ऑन कर अपना महत्वपूर्ण योगदान ज़रूर प्रदान करें। यह पहल 1920-21 में महात्मा गांधी जी के ऐतिहासिक तिलक स्वराज कोष से प्रेरित है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा भारतीय संविधान के मूल्यों को सुरक्षित रखने एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 138 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास को संजोए रखने का यह देशव्यापी आंदोलन है। देश को आगे ले जाना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है जिसे हमें मिलकर निभाना होगा।÷

इस बीच कांग्रेस पार्टी ने भी अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर देश के नागरिकों से इस अभियान में शामिल होने का आग्रह करते हुए कहा इस जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए हम डोनेट फ़ॉर देश के जरिए एक और कदम आगे बढ़ रहे हैं। डोनेट फ़ॉर देश कैंपेन में हम आम जनता के साथ जुड़ेंगे, आपकी मदद से देश की सामाजिक, आर्थिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करेंगे। आजादी से लेकर आज तक कांग्रेस को हमेशा ही आम जनता का साथ मिला है। हमें देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने के लिए फिर से आपकी जरूरत है। आगे आएं और अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

दिल्ली में दो दिन तेज बर्फीली हवाओं से रहेगी ठिठुरन, गिरेगा तापमान

नई दिल्ली। दिल्ली में दो दिन बर्फीली हवाओं के चलते ठिठुरन बढ़ेगी। दिल्ली में अभी उत्तर-पश्चिम दिशा से बर्फीली हवा आ रही है। सोमवार एवं मंगलवार को हवा की रफ्तार 12 से 16 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने की संभावना है। इसके चलते तेज बर्फीली हवाएं ठिठुरन बढ़ाएंगी। दिल्ली में मंगलवार से अधिकतम तापमान में भी गिरावट देखने को मिलेगी। मंगलवार को यह 23 डिग्री के आसपास रहेगा जो अभी के मौसम में सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग के अनुसार बीते कुछ दिनों से उत्तर-पश्चिम दिशा से लगातार बर्फीली हवाएं चल रही हैं। दोपहर के समय धूप निकलने की वजह से इसका ज्यादा एहसास नहीं होता। लेकिन सुबह एवं शाम के समय बर्फीली हवाओं से ठिठुरन महसूस हो रही है। मौसम विभाग का मानना है कि सोमवार एवं मंगलवार को तेज हवा चलेगी। वहीं मंगलवार ए?वं बुधवार को आसमान में बादल छाये रहेंगे। इसके चलते दिल्ली में सर्दी बढ़ेगी। रविवार को दिल्ली का अधिकता तापमान 24.7 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। वहीं न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से दो डिग्री कम है। मौसम विभाग के अनुसार अभी के मौसम में सामान्य तौर पर अधिकतम तापमान 22.2 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री रहता है। दिन में खिली धूप निकलने के चलते दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा बना हुआ है। रविवार को

मुंगेशपुर इलाके में सबसे कम अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री दर्ज किया गया है। सोमवार को दिल्ली में आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का कोहरा रहेगा। वहीं मंगलवार से शनिवार तक आसमान में बादल छायें रहेंगे, लेकिन बारिश की संभावना नहीं है।आगामी 20 से 22 दिसंबर के बीच दिल्ली का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के आसपास रह सकता है।

INDIA अलायंस की मीटिंग में कांग्रेस को झटका देने की तैयारी में ममता, केजरीवाल का पहले ही इशारा

नई दिल्ली। आम चुनाव से पहले बने विपक्ष के INDIA गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को ही करारा झटका लगता दिख रहा है। एक तरफ अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की सभी 13 सीटों पर लड़ने की दावेदारी पेश कर दी है तो वहीं टीएमसी महज दो सीटें ही कांग्रेस के लिए छोड़ने को तैयार है। 19 तारीख को INDIA अलायंस की चौथी मीटिंग होने जा रही है, जिसमें ममता बनर्जी सीट शेयरिंग पर भी बात करने का इरादा लेकर जा रही हैं। इसे लेकर टीएमसी के सूत्रों का कहना है कि वह इस दौरान प्रस्ताव रख सकती हैं कि हम कांग्रेस के लिए मालदा और बरहामपुर सीट छोड़ने के लिए तैयार

हैं। हालांकि ममता बनर्जी ने इसे लेकर कुछ भी कहने से फिलहाल इनकार किया है। उन्होंने दिल्ली के लिए फ्लाइट लेने से पहले कहा, मैं अभी सीट शेयरिंग पर कुछ नहीं कह सकती। आपको 19 दिसंबर की मीटिंग के बाद ही पता चल पाएगा। टीएमसी ने जिन दो सीटों को छोड़ने के संकेत दिए हैं, उनमें से एक अधीर रंजन चौधरी की बरहामपुर सीट है। मुर्शिदाबाद जिले की इस सीट पर राज्य में सबसे ज्यादा 66

19 तारीख को इंडिया अलायंस की चौथी मीटिंग होने जा रही है, जिसमें ममता बनर्जी सीट शेयरिंग पर भी बात करने का इरादा लेकर जा रही हैं। इसे लेकर टीएमसी के सूत्रों का कहना है कि वह इस दौरान प्रस्ताव रख सकती हैं कि हम कांग्रेस के लिए मालदा और बरहामपुर सीट छोड़ने के लिए तैयार हैं।

फीसदी मुस्लिम आबादी है। यहां से अधीर रंजन चौधरी 1999 से लगातार सांसद चुने जा रहे हैं। इसके अलावा पड़ोस के मालदा जिले की साउथ मालदा सीट भी कांग्रेस का गढ़ रही है। यहां से कांग्रेस के सांसद अबू हासिम खान चौधरी हैं। वह 2009 से लगातार प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कांग्रेस ने इन दो सीटों पर ही 2019 के इलेक्शन में जीत हासिल की थी। ऐसे में टीएमसी उसे यह कहकर इन दो सीटों को ऑफर कर सकती है कि आपने यहां जीत हासिल की थी, इसलिए हम छोड़ रहे हैं। अन्य सीटों पर हम मजबूती से लड़ेंगे और आप हमारा समर्थन करें। ममता बनर्जी ने पहले ही इस तरह के संकेत दिए थे और कहा था कि हमें हर राज्य में भाजपा के उम्मीदवार के मुकाबले एक साझा कैंडिडेट देने की रणनीति पर काम करना होगा।

कांग्रेसी दिग्गज भी मानने लगे हवा भाजपा की, चिंदबरम बोले- तीन राज्यों ने चौंका दिया, 2024 में भी खतरा

नई दिल्ली। तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जोरदार जीत ने कांग्रेस को चौंका दिया है। अब तक पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के नेता और सर्वे ही यह कह रहे थे कि 2024 में भगवा लहर की संभावना है, लेकिन अब कांग्रेसी भी ऐसा ही मानते दिख रहे हैं। दिग्गज नेता पी. चिदंबरम ने माना है कि 2024 में हवा भाजपा की ओर दिख रही है। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों के नतीजे हमारे लिए चिंताजनक हैं और हैरान कर देने वाले हैं। यही नहीं उन्होंने भाजपा की मजबूती और उसके रणनीतिक कौशल की भी तारीफ की। चिदंबरम ने पीटीआई से कहा कि भाजपा हर चुनाव को ऐसे लड़ती है, जैसे यह उसके लिए आखिरी लड़ाई हो। इस बात को विपक्षी दलों को समझना होगा। चिदंबरम ने कहा, भाजपा की तीन राज्यों में जीत ने 2024 के आम चुनाव से पहले उसे बड़ी ताकत दी है। कांग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ और राजस्थान की हार अप्रत्याशित थी। ये नतीजे हमारे लिए चिंताजनक हैं और मुझे लगता है कि पार्टी नेतृत्व इसे समझेगा और कमजोरी को दूर करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को 4 बड़े राज्यों के चुनाव में करीब 40 फीसदी वोट मिले हैं। इससे पता चलता है कि कांग्रेस का वोट उससे जुड़ा हुआ है, लेकिन भाजपा ने नए मतदाता भी अपने पाले में लाने में सफलता पाई है। इस बीच चिदंबरम ने भरोसा जताया है कि कांग्रेस पार्टी

लोकसभा चुनाव में 45 फीसदी वोट हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए कांग्रेस को मजबूती से कैंपेन करना होगा। बूथ मैनेजमेंट बेहतर करना होगा और मतदाताओं को पोलिंग स्टेशनों तक लाना होगा। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने कहा कि ऐंटी-मुस्लिम, ऐंटी क्रिश्चियन प्रोपेगेंडा और हाइपर नेशनलिज्म के चलते भाजपा माहौल बना लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन तीन चीजों का घालमेल कर लिया है। इसके अलावा वेलफेयर स्कीमें भी उसे फायदा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे सबसे ज्यादा चिंता पोलराइजेशन को लेकर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इसका जवाब तलाशना होगा। यही नहीं 2024

● **दिग्गज नेता पी. चिदंबरम ने माना है कि 2024 में हवा भाजपा की ओर दिख रही है।**

से पहले जाति जनगणना के मुद्दे को लेकर पी. चिदंबरम ने कहा कि यह भले ही अहम मसला है, लेकिन चुनाव में निर्णायक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से बेरोजगारी और महंगाई अहम मुद्दे होंगे। उन्होंने कहा कि हर सर्वे में यही बात सामने आई है कि ये दो मुद्दे लोगों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने यह भी माना कि चुनाव से पहले यदि भाजपा सरकार एनआरसी और सीएए पर जोर देती है तो उसका भी असर दिखेगा।

एआई की मदद से पीएम मोदी का भाषण हुआ तमिल में अनुवाद

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी तमिल संगमम् के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई) का उपयोग कर वास्तविक समय में तमिल दर्शकों के लिए अनुवादित किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जो लोग तमिलनाडु से हैं, मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने इयरफोन (भाषण सुनने के लिए) का उपयोग करें। पीएम मोदी ने कहा कि कृत्रिम मेधा से उनके लिए लोगों तक पहुंचना आसान होगा। उन्होंने कहा, ''यह मेरा पहला अनुभव है। भविष्य में मैं इसका इस्तेमाल करूंगा और आपको जवाब देना होगा। अब, जब मैं हिंदी में बोलूंगा, तब एआई इसका तमिल में अनुवाद करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है महादेव के एक घर से उनके दूसरे घर तक आना। तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है, मदुरै मीनाक्षी के स्थान से काशी विशालाक्षी के स्थान तक आना।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, तमिलनाडु और काशी के लोगों के दिलों में जो प्यार और बंधन है, वह अलग और अनोखा है। मुझे यकीन है, काशी के लोग आप सभी की मेहमान नवाजी में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। काशी तमिल संगमम् इस माह के अंत तक चलेगा। इसकी शुरुआत 17 दिसंबर को की गई, जिसमें तमिलनाडु और पुदुचेरी के 1,400 गणमान्य व्यक्ति भाग लेने वाले हैं।

उत्तराखंड में नये साल से पहले कड़ाके की ठड़

देहरादून । उत्तराखंड में इनदिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पूरे प्रदेश में शीत लहर का प्रकोप दिख रहा है। पहाड़ी इलाकों के साथ मैदानी क्षेत्रों में भी लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। सुबह शाम कोहरा छाने लगा है। चारों धामों में भी तापमान माइनस में चला गया है। हालत ये हैं कि केदारनाथ में तापमान माइनस 17 डिग्री सेल्सियस तक जा रहा है। बद्रीनाथ का भी हाल भी कुछ ऐसा ही है। वैकुंठ धाम में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान शून्य से नीचे यानी माइनस में हैं। गंगोत्री का अधिकतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान माइनस 14 डिग्री सेल्सियस है। नैनीताल में भी ठंड का असर दिखने लगा है। क्रिसमस और नए साल के लिए अभी से लोगों का आना शुरू हो गया है। सारे होटलो में बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है। यहां आए सैलानी ठंड का पूरा लुफ्त उठा रहे हैं।

ड्रग्स मामले में पूछताछ के लिए बिक्रम मजीठिया एसआईटी के सामने पेश

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया सोमवार को मादक पदार्थ से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए पटियाला जिले में पंजाब पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) के सामने पेश हुए। एसआईटी का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (पटियाला रेंज) मुखविंदर सिंह छीना कर रहे हैं। एसआईटी कार्यालय पहुंचने से पहले मजीठिया ने कहा कि वह कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं और उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है। शिअद नेता ने आम आदमी पार्टी (आप) नीत राज्य सरकार पर मादक पदार्थ के मुद्दे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाकर दावा किया कि एसआईटी ने उन्हें इसलिए बुलाया है, क्योंकि वह मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ बोल रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मान उनके खिलाफ राज्य मशीनरी का इस्तेमाल कर रहे हैं। मजीठिया ने मान पर निशाना साधकर कहा, यह केवल राजनीति है और राजनीति करना भगवंत मान की आदत बन चुकी है। वे दो साल से सो रहे हैं। उन्होंने पटियाला में कहा, मेरी लड़ाई राज्य मशीनरी और राज्य सरकार के खिलाफ है जो अपने खिलाफ एक शब्द भी बोलने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करती है।

भारी बारिश के चलते तमिलनाडु में लॉकडाउन जैसे हालात,स्कूल, कॉलेज, दफ्तर सब बंद

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में शनिवार और रविवार को भारी बारिश हुई है। तिरुनेलवेली, नागरकोइल,तेनकासी, तूतीकोरिन और कन्याकुमारी जैसे कई जिले जलमग्न हो गए। बिजली,पानी और इंटरनेट जैसी सेवाएं प्रभावित हुई और सड़कों पर पानी भर गया। लोगों का निकलना और वाहन चलाना कठिन दूभर हो गया है। ऐसे में लॉकडाउन जैसे हालात बन गए है। प्रशासन ने स्कूल, कॉलेज और तमाम दफ्तरों को बंद कर दिया है। चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से इस तरह के हालात बने हैं। रिपोर्ट के अनुसार मदुरै रेलवे डिवीजन ने दक्षिण की ओर जाने वाली चार ट्रेनों के टर्मिनेट होने के बाद काउंटर पर तैनात रहने और टिकटों के रिफंड की मांग को पूरा करने के लिए कोविलपट्टी में अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए हैं। फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम के सहयोग से बसों की व्यवस्था की गई है । बारिश का सबसे ज्यादा असर तमिलनाडु के चार जिलों तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन, तेनकासी और कन्याकुमारी में देखने को मिल रहा है। इन चारों जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन चुके हैं। तमिलनाडु सरकार ने अत्यधिक बारिश के कारण सोमवार को तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन, तेनकासी और कन्याकुमारी जिलों में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन और तेनकासी जिलों में सोमवार तक रेड अलर्ट जारी किया है, क्योंकि अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है और एक या दो स्थानों पर अत्यधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं खराब मौसम के कारण तमिलनाडु की ओर जाने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गई है और कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है। जलभराव के कारण ट्रेन की पटरियां पानी में डूब गई हैं और पटरियों के आसपास मिट्टी भर गई है।

सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता मिलने में हैं कई अड़चने

ग्रेटर नोएडा। भारतीय युवक सचिन से प्यार होने के बाद पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर बॉर्डर पार कर नेपाल के रास्ते भारत आ गई।सीमा को भारत आए करीब 6 महीने बीत चुके हैं और वो सचिन से शादी भी कर चुकी है लेकिन उसे अभी तक भारतीय नागरिकता नहीं मिली है। सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता नहीं मिलने को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब अब उनके वकील एपी सिंह ने दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने बताया कि आखिर सीमा हैदर को अभी तक भारतीय नागरिकता क्यों नहीं मिल पाई है। एपी सिंह ने कहा कि सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता देने के लिए पाकिस्तान में उसके कुछ दस्तावेजों की जांच होनी है जिसमें उसका पहला पति गुलाम हैदर रोड़े अटका रहा है। उन्होंने कहा कि गुलाम हैदर पाकिस्तान में अपनी शादीशुदा जिंदगी को बचाने के लिए राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर रहा है। सरकार का गलत इस्तेमाल कर रहा। एपी सिंह ने कहा कि इसी समस्या को लेकर अब वो इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आईसीजे) में अपील दायर करेंगे। उन्होंने कहा सीमा के जो भी डॉक्यूमेंट हैं वो पूरी तरह से सही और सच्चाई वाले है। लेकिन उन्हें (पाकिस्तानी अथॉरिटी) जो जांच करके भेजनी है उसी में देरी हो रही है। कश्मीर में चुनाव को लेकर जब उनसे सवाल पूछा गया तो सीमा हैदर ने कहा कि ये अच्छी बात है, हर जगह चुनाव होना चाहिए। बता दें कि भारत आने के बाद से ही सीमा हैदर और सचिन की जोड़ी सोशल मीडिया पर काफी हिट है। सीमा हैदर आए दिन अपने घर का व्लॉग बनाती है जिसे वो यूट्यूब पर अपलोड करती है।

पत्रकार के सवाल पर भड़के लालू यादव, रोज एक्केगो सवाल पूछत

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एक बार फिर एयरपोर्ट पर पत्रकारों के सवाल सुनकर भड़क गए। दरअसल लालू यादव और तेजस्वी यादव इंडी गठबंधन में भाग लेने के लिए दिल्ली रवाना हुए। जाते-जाते उन्होंने ये कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में भाग लेने जा रहे हैं। हम लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इसी बीच एक पत्रकार ने पीएम नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक सवाल पूछ दिया। लालू को शायद ये सवाल नागवार गुजरा और वो भड़क गए। दरअसल सवाल था कि पीएम नरेंद्र मोदी ने दावा किया है कि बीजेपी फिर से सत्ता में आएगी। इस पर लालू बिफर गए और पत्रकार को झिड़क दिया। उन्होंने कहा कि रोज एक्केगो सवाल पूछत हो। आपको सिर्फ यही सवाल आता है क्या? नीचे देखिए वो वीडियो, इस तरह से पत्रकारों के बीच से पूछे गए एक सवाल पर लालू प्रसाद यादव का ये भड़कना कैमरे में कैद हो गया। इसके बाद लालू क्लास लगाने के मूड में आ गए।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने कह दिया की अगली बार वही आएंगे! यह कोई सवाल होता है? आपको एक ही सवाल आता है? रोज यही सवाल पूछते हैं। लालू प्रसाद यादव ने अपने अंदाज में कहा कि फलाना बोल रहा है कि आएंगे, तो आओ! यही सवाल होता है क्या? इसके बाद लालू प्रसाद यादव ने कहा कि हम लोग बैठक में भाग लेने जा रहे हैं। मिलकर चुनाव लड़ेंगे और इन बीजेपी वालों को हटाएंगे। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के साथ उनके बेटे तेजस्वी यादव भी साथ में ही दिल्ली गए हैं। लालू ने तो बहुत कुछ कहा लेकिन पत्रकारों के सवालों का तेजस्वी यादव ने कोई जवाब नहीं दिया।

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हम चाहतें हैं कि आडवाणी और डॉ. जोशी नहीं आए

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव का बयान

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। अगले साल 22 जनवरी को भव्य मंदिर में श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां भी जोरशोर से चालू हैं। विमानन नियामक डीजीसीए ने अयोध्या हवाई अड्डे के लिए 'एयरोड्रम' लाइसेंस जारी कर दिया है। माना जा रहा है कि इस महीने के अंत में हवाई अड्डे का उद्घाटन होगा। दूसरी ओर भारतीय रेलवे ने 22 जनवरी के कार्यक्रम को देखकर सैंकड़ों की संख्या में अयोध्या के लिए ट्रेन चलाने की तैयारी की है। अयोध्या नगरी में सड़कों और चौक-चौराहों को सजाया संवारा जा रहा है। इसके अलावा प्रशासन की तरफ से भी तमाम तैयारियां की जा रही हैं ताकि अयोध्या आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को सहुलियतें प्रदान की जा सकें।

दूसरी ओर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जुड़ी कुछ और खास बातें साझा की गयीं। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सरसंघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा देश के सभी प्रमुख संतों और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि रामायण धारावाहिक में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल, महाभारत में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले नीतीश भारद्वाज, फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन और अभिनेत्री माधुरी दीक्षित सहित तमाम हस्तियों को आमंत्रित किया गया है।

एक प्रश्न के उत्तर में राय ने बताया कि राम मंदिर आंदोलन के नेता रहे लालकृष्ण आडवाणी का समारोह में उपस्थित रहना जरूरी है मगर हम चाहते हैं कि वह नहीं आएं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी को भी कार्यक्रम में नहीं आने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मैंने डॉ. जोशी से खुद बात कर कहा है कि उम्र तथा स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों को देखते हुए वह नहीं आए। उन्होंने कहा कि डॉ.जोशी ने हाल ही में अपने घुटने भी बदलवाए हैं, इसलिए हम उन्हें आने से मना कर रहे हैं लेकिन उन्होंने कहा है कि वह हर हाल में आ रहे। चंपत राय ने कहा कि आडवाणी और जोशी को अपने स्वास्थ्य की चिंता करते हुए कार्यक्रम में नहीं आना चाहिए।

31 दिसंबर की रात में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति न दे, छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति ने 31 दिसंबर को नववर्ष के कार्यक्रमों में रात 12 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति न देने की मांग कर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। समिति ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मांग की है कि गत वर्ष 2022 में जिस प्रकार पूरे प्रदेश के लिए 31 दिसंबर की रात ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति अचानक दी गई थी वैसी अनुमति इस वर्ष ना दे। क्योंकि इसकी आड़ में देर रात तक तेज आवाज से ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाते हैं, असहनीय ध्वनि प्रदूषण होता है।

बता दें कि बीते साल छत्तीसगढ़ शासन आवास एवं पर्यावरण मंत्रालय ने अचानक, अज्ञात कारणों से 30 दिसंबर 2022 को पत्र जारी कर 31 दिसंबर 2022 की रात के लिए 10 से अर्धरात्रि 12 बजे तक लाउडस्पीकर की अनुमति जारी की थी। जिसकी आड़ में देर रात तक पूरे शहर में अलग-अलग स्थानों में होटल पार्टी इत्यादी में ध्वनि प्रदूषण किया गया कई स्थानों में लॉ एंड आर्डर भी बिगड़।

समिति ने मुख्य सचिव को लिखा है कि ध्वनि (विनियमन और नियंत्रण) नियमों के तहत इस प्रकार की अनुमति सिर्फ सांस्कृतिक कार्यक्रम, धार्मिक या किसी उत्सव के लिए दी जा सकती है।

समिति ने पत्र में आशंका व्यक्त की है कि इस वर्ष भी 31 दिसंबर के लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा छूट दी जाएगी, जिसका दुरुपयोग कर देर रात तक तेज ध्वनि में ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाए जाएंगे। इसलिए इस वर्ष 31 दिसंबर के लिए किसी भी प्रकार की कोई भी अनुमति रात 10 बजे से अर्धरात्रि 12 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति न ही दी जावे तथा सुनिश्चित किया जावे की पूरे प्रदेश में किसी भी प्रकार से ध्वनि प्रदूषण न हो।

अमेरिका और कनाडा के बीच जमीन आसमान का फर्क : एस जयशंकर

-खालिस्तान समर्थकों की हत्या के आरोपों पर विदेश मंत्री ने दी अपनी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा और अमेरिका में खालिस्तानी आतंकियों की हत्या की साजिश रचने के आरोप को लेकर बड़ा बयान दिया है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा है कि दोनों ही बातों में जमीन आसमान का अंतर है। कनाडा ने जिस तरह से भारत पर आरोप लगाए हैं वह बिल्कुल निराधार और गलत है। वहीं अमेरिका द्वारा उठाए गए मुद्दों पर उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कुछ बातों की ओर संकेत किया था जिसको मजबूती के साथ प्रस्तुत करने के लिए उन्होंने कुछ सबूत भी दिए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहना है कि भारत किसी भी देश द्वारा उठाए गए मुद्दों पर बात करने, उनसे निपटने और चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों द्वारा रखे गए मुद्दे एक समान नहीं है। इस संबंध में विदेश मंत्री ने कहा कि अगर किसी देश के सामने किसी तरह की समस्या है तो वह उसे हमारे सामने रख सकते हैं। भारत इनपुट के आधार पर हमेशा ऐसे मामलों को देखने के लिए तैयार रहता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका ने भी मुद्दा उठाया और उसके बारे में इनपुट भी दिए। वही कनाडा को लेकर उन्होंने कहा कि कनाडा को भी हमने बता दिया कि सिर्फ आरोप लगाने की बजाय ठोस सबूत भी देना चाहिए तभी उस पर विचार किया जा सकता है। एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका ने भारत से कहा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह की हत्या की साजिश को लेकर जांच में सहयोग होना चाहिए। इसके बाद अमेरिकी डिपार्मेंट आफ जस्टिस ने निखिल गुप्ता नमक व्यक्ति के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। निखिल गुप्ता को सुपारी किलर हायर करने के बारे में जानकारी दी जा रही थी। यह जानकारी निखिल गुप्ता को कोई भारतीय अधिकारी दे रहा था। वहीं विदेश मंत्रालय इस मामले को पता लगाने में जुटा हुआ है कि क्या सच में कोई अधिकारी इसमें शामिल था। केंद्र सरकार ने भी इस मामले में एक जांच कमेटी का गठन पहले ही कर दिया है।

अरविंद केजरीवाल को ईडी का समन, शराब नीति मामले में पूछताछ के लिए 21 दिसंबर को बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्हें गुरुवार, 21 दिसंबर को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अरविंद केजरीवाल को यह दूसरा समन है। पिछले महीने वित्तीय निगरानी संस्था ने अरविंद केजरीवाल को 2 नवंबर को उसके सामने पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, आम आदमी पार्टी प्रमुख ने यह आरोप लगाते हुए सम्मन को नजरअंदाज कर दिया था कि यह अवैध और राजनीति से प्रेरित है।

इसी मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों ने अरविंद केजरीवाल की पार्टी के दो नेताओं मनीष सिसौदिया और संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। इस साल अप्रैल में कथित शराब घोटाले के सिलसिले में सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल से भी पूछताछ की थी। दिल्ली में सीबीआई मुख्यालय में नौ घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जांच एजेंसी ने उनसे 56 सवाल पूछे।

केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई से साढ़े नौ घंटे तक पूछताछ हुई। मैंने सभी सवालों के जवाब दिए। पूरा कथित शराब घोटाला झूठा और घटिया राजनीति है। आप 'कट्टर ईमानदार पार्टी' है। वे आप को खत्म करना चाहते हैं लेकिन देश की जनता हमारे साथ है।

विकसित भारत बनने का खोखला सपना दिखा रही भाजपा: अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा गरीबों को अपनी राजनीति का मोहरा बनाने का काम कर रही है। भाजपा सरकारें जनता की बातें नहीं सुनना चाहती है, वे सिर्फ अपने मन की बात सुनाती हैं। विपक्ष के प्रति उसका रवैया उपेक्षा का है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में उसका विश्वास नहीं है।

अखिलेश ने कहा कि आज देश को विकसित भारत बनने का खोखला सपना दिखाया जा रहा है। जिस देश में आज भी करोड़ों लोगों को दो वक्त की रोटी और रोजगार उपलब्ध न हो, अन्नदाता किसान कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या कर रहा हो और महिलाएं-बच्चियां रोज दुष्कर्म की शिकार हो रही हों, वहां गारंटी की घंटी बजाकर लोगों को धोखा देना कहां तक उचित है। उन्होंने कहा कि देश की नई पीढ़ी हताशा में डूबी हुई है। उसके पास न शिक्षा की व्यवस्था है और न ही रोटी-रोजगार की गारंटी है। देश में व्यापार और उद्योग जगत सरकारी हस्तक्षेप और उत्पीड़न से बुरी तरह परेशान है। उत्तर प्रदेश में निवेश के नाम पर 40 लाख करोड़ के एमओयू होने का दावा किया जा रहा है, पर अभी तक एक भी उद्योग नहीं लगा और न ही किसी को रोजगार मिला है। भाजपा सरकार ने अपनी छापामार एजेंसियों की बदौलत सब तरफ भय का वातावरण बना दिया है।

अखिलेश ने कहा कि जब चीन की घुसपैठ पर देश की सुरक्षा के लिए सुझाव मांगे गए, तब समाजवादी पार्टी ने यह सुझाव दिया कि सैन्य आपातकाल में शीघ्रातिशीघ्र सैनिक और सैन्य सामग्री भेजने के लिए ग्वालियर से लिपुलेक तक एक छह लेन सड़क बनाई जाए, लेकिन बात चार लेन से होकर सिंगल लेन पर पहुंच गई। आने-जाने के सिंगल लेन से तत्काल सैन्य आपूर्ति कैसे सुनिश्चित की जा सकती है। इस मार्ग से देश की सुरक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति के मानसरोवर के दर्शन का मार्ग भी सुगम होगा। इसलिए भाजपा सरकार इस पर पुनर्विचार करे, राजनीति नहीं।

गृहयुद्ध के कारण म्यांमार के लगभग 6,000 शरणार्थी पहुंचे मणिपुर

-सीएम एन. बीरेन सिंह ने दी जानकारी, खाने-रहने की कर रहे व्यवस्था

सिलचर (एजेंसी)। मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह ने रविवार को कहा कि म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध के कारण लगभग 6,000 लोगों ने मणिपुर में शरण ली है। दक्षिणी असम की बराक घाटी में मणिपुरी समुदाय के एक समारोह में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि म्यांमार में अशांति के कारण महिलाओं और बच्चों सहित अब तक लगभग 6,000 लोग यहां आ चुके हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि हम मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए म्यांमार के लोगों को भोजन और आश्रय दे रहे हैं। चूंकि अस्थिर स्थिति लगातार जारी है, जिसके कारण और भी लोगों के भारत आने की संभावना है। इसके बावजूद सीएम सिंह ने पड़ोसी देश म्यांमार से मणिपुर में हो रही घुसपैठ पर गहरी चिंता भी जताई है। उन्होंने कहा कि कामजोंग और उखरुल जैसे क्षेत्रों में बायोमेट्रिक डेटा संग्रह और प्रोफाइलिंग प्रक्रियाएं चल रही हैं और वहां बढ़े हुए संघर्षों को देखते हुए म्यांमार से सटे बेहियांग जैसे क्षेत्रों में भी इसी तरह की रणनीति अपनाने की घोषणा की। सीएम सिंह ने कहा कि हम उनके साथ शरणार्थियों जैसा व्यवहार नहीं कर सकते, लेकिन मानवीय आधार पर म्यांमार के नागरिकों को भोजन और आश्रय प्रदान कर रहे हैं। हम म्यांमार के नागरिकों को राज्य की सीमाओं के भीतर स्थायी बस्तियां बनाने की अनुमति नहीं देंगे।

हालांकि मणिपुर के अलावा, मिजोरम में भी सेना और लोकतंत्र समर्थक बलों के बीच झड़पों के कारण म्यांमार से ताजा घुसपैठ देखी जा रही है। म्यांमार सेना के तख्तापलट के बाद अब तक निर्वाचित नेताओं समेत 32,000 पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने मिजोरम में शरण ली है। नागरिक बलों द्वारा कुछ सेना शिविरों पर नियंत्रण किए जाने के बाद कुल 104 सेना सैनिक भी मिजोरम भाग गए। हालांकि, बाद में भारतीय अधिकारियों ने उन्हें उनके देश वापस भेज दिया। म्यांमार में ताजा लड़ाई के बाद सैकड़ों लोगों ने मणिपुर के कामजोंग में शरण ली है, जो अकेले म्यांमार के साथ 109 किलोमीटर की सीमा के अंदर है।

इसमें मणिपुर के पांच जिले चुराचांदपुर, चंदेल, कामजोंग, तेंगनौपाल और उखरुल म्यांमार के साथ लगभग 400 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। हालां?कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहले मणिपुर और मिजोरम सरकारों को दोनों राज्यों में अवैध प्रवासियों का बायोमेट्रिक डेटा एकत्र करने और इस साल सितंबर तक प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा था। मणिपुर सरकार के कहने पर इसकी समय सीमा एक साल बढ़ा दी गई। हालांकि, पिछली मिज़ो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) सरकार ने पहले इस प्रक्रिया को अंजाम देने से मना कर दिया था और इसके बजाय इस मामले को एमएचए के साथ उठाया था, लेकिन केंद्र ने इस प्रक्रिया पर अधिक जोर दिया था।

पीएम मोदी के मुरीद हुए चिदंबरम...हर चुनाव को आखिरी चुनाव की तरह लड़ते

-2024 में भाजपा के लिए हवा चल रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जोरदार जीत ने कांग्रेस को चौंका दिया है। अब तक पीएम नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के नेता और सर्वे ही यह कह रहे थे कि 2024 में भगवा सत्ता फिर आने की संभावना है, लेकिन अब कांग्रेसी भी ऐसा ही मानते दिख रहे हैं। दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने माना है कि 2024 में हवा भाजपा की ओर दिख रही है। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों के नतीजे हमारे लिए चिंताजनक हैं, और हैरान कर देने वाले हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने भाजपा की मजबूती और उसके रणनीतिक कौशल की भी तारीफ की। चिदंबरम ने कहा कि भाजपा हर चुनाव को इसतरह लड़ती है, जैसे यह उसके लिए आखिरी लड़ाई हो। इस बात को विपक्षी दलों को समझना होगा।

चिदंबरम ने कहा, भाजपा की तीन राज्यों में जीत ने 2024 के आम चुनाव से पहले भाजपा को बड़ी ताकत दी है। कांग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ और राजस्थान की हार अप्रत्याशित थी। ये नतीजे हमारे लिए चिंताजनक हैं और मुझे लगता है कि पार्टी नेतृत्व इस समझेगा और कमजोरी को दूर करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 4 बड़े राज्यों के चुनाव में करीब 40 फीसदी वोट मिले हैं। इससे पता चलता है कि कांग्रेस का वोट उससे जुड़ा हुआ है, लेकिन भाजपा ने नए मतदाता भी अपने पाले में लाने में सफलता मिली है।

इस बीच चिदंबरम ने भरोसा जताया है कि कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव में 45 फीसदी वोट हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए कांग्रेस को मजबूती से कैंपेन करना होगा। बूथ मैनेजमेंट बेहतर करना होगा और मतदाताओं को पोलिंग स्टेशनों तक लाना होगा। चिदंबरम ने कहा कि एंटी-मुस्लिम, एंटी क्रिश्चियन प्रोपेगेंडा और हाइपर नेशनलिज्म के चलते भाजपा माहौल बना लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन तीन चीजों का घालमेल कर लिया है। इसके अलावा मोदी सरकार जनकल्याणकारी योजनाएं भी भाजपा फायदा दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे सबसे ज्यादा चिंता पोलराइजेशन को लेकर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इसका जवाब तलाशना होगा। इतना ही नहीं 2024 से पहले जाति जनगणना के मुद्दे को लेकर चिदंबरम ने कहा कि यह भले ही अहम मसला है, लेकिन चुनाव में निर्णायक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से बेरोजगारी और महंगाई अहम मुद्दे होगा। उन्होंने कहा कि हर सर्वे में यही बात सामने आई है कि ये दो मुद्दे लोगों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने माना कि चुनाव से पहले यदि भाजपा सरकार एनआरसी और सीएए पर जोर देती है, तब उसका भी असर दिखेगा।

क्रिसमस पार्टी के दौरान गोलीबारी, मरने वालों की संख्या 16 पहुंची

साल्वाटियेरा । मैक्सिको के उत्तर-मध्य राज्य गुआनाजुआतो के साल्वाटियेरा शहर में एक क्रिसमस पार्टी के दौरान बंधूकधारियों के हमले में 16 लोगों की मौत हो गई। अभियोजकों ने इसकी जानकारी दी। राज्य अभियोजकों ने बताया कि सलामांका शहर में गोलीबारी में चार अन्य लोगों की भी मौत हुई। हालांकि, उन्होंने हमले की वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ित पोसाडा' नामक क्रिसमस पार्टी के बाद एक कार्यक्रम हॉल से बाहर निकल रहे थे, तभी बंदूकधारियों ने उन पर गोलियां चला दी। शहर में 'जलिस्को कार्टेल' और 'सिनालोआ कार्टेल' द्वारा समर्थित स्थानीय गिरोहों के बीच वर्चस्व की लड़ाई को लेकर खूनी संघर्ष लंबे समय से चल रहा है।

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए सेना की तैनाती को लेकर मिली मंजूरी

ढाका । बांग्लादेश में सात जनवरी 2024 को होने वाले आम चुनाव से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करने में नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सेना की टुकड़ियों को तैनात किया जाएगा। बांग्लादेश चुनाव आयोग के सचिव मोहम्मद जहांगीर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने आगामी आम चुनाव के दौरान सेना की तैनाती को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। श्री आलम ने कहा कि सेना के जवानों को एक बल के रूप में तैनात किया जाएगा। यह निर्णय राष्ट्रपति और मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल के बीच हुई बैठक में लिया गया। इसके पहले, आयोग ने बढ़ते राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में सात जनवरी के आम चुनाव की तैयारी के लिए 29 दिसंबर से 13 दिनों के लिए देश भर में सैनिकों को तैनात करने की अपनी योजना की घोषणा की थी। सत्तारुढ़ एएल पार्टी के महासचिव ओबैदुल कादर ने कहा कि वह जातीय पार्टी और अन्य गठबंधन सहयोगियों के साथ कुछ सीटें साझा करने वाले हैं, और इसतरह निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी के उम्मीदवारों को वापस ले सकते हैं।

भीषण तूफान से 14 लोगों की मौत

ब्यूनस आयर्स। ब्यूनस आयर्स प्रांत के कुछ हिस्सों में जीवन और संपत्ति क्षति संकेतक नारंगी अलर्ट जारी होने के बाद रविवार को पूर्वी अर्जेंटीना में आए भयंकर तूफ़ान से हुई बारिश और 150 किमी/घंटा की रफ्तार से चलीं हवाओं से दक्षिण में बंदरगाह शहर बाहिया ब्लैंका में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं पड़ोसी उरुग्वे में भी दो लोगों के मारे जाने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तूफ़ान ने सबसे पहले 16 दिसंबर को ब्यूनस आयर्स से लगभग 570 किमी (355 मील) दक्षिण में बंदरगाह शहर बाहिया ब्लैंका में दस्तक दी, इससे इमारतों को नुकसान पहुंचा और रविवार को राजधानी शहर की ओर बढ़ने से पहले बिजली गुल हो गई। अधिकारियों के अनुसार, बाहिया ब्लैंका से टकराने के बाद, तूफ़ान के कारण रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता के दौरान एक खेल केंद्र की छत का हिस्सा गिर गया, इससे 13 लोगों की मौत हो गई जब ?कि 14 अन्य घायल हो गए, इनमें से कुछ मलबे के नीचे फंसे हुए थे। रविवार को, बाहिया ब्लैंका के उपनगर मोरेनो शहर में एक पेड़ की शाखा गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रविवार को नवनियुक्त राष्ट्रपति जेवियर माइली ने नुकसान का सर्वेक्षण करने के लिए कई मंत्रियों के साथ बाहिया ब्लैंका की यात्रा की। उनके कार्यालय ने कहा कि पीड़ितों की सहायता करने और क्षति को नियंत्रित करने के लिए सरकार प्रांतीय और नगर निगम अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

न्यायाधीशों व उनके जीवनसाथियों को जामा-तलाशी से छूट

करांची। पाकिस्तान में न्यायाधीशों व उनके जीवनसाथियों को जामा-तलाशी से छूट के आदेश दिए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पाक के विमानन मंत्रालय ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद सेवारत न्यायाधीशों और उनके जीवन साथियों को देश के सभी हवाई अड्डों पर जामा-तलाशी से छूट दे दी। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विमानन सचिव के निर्देश पर हवाई अड्डा सुरक्षा बल (एएसएफ) के महानिदेशक ने एक आदेश जारी किया है। विमानन मंत्रालय द्वारा 12 अक्टूबर को जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि सभी हवाई अड्डों पर पाकिस्तान के सेवारत न्यायाधीशों और उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के जीवन साथियों को जामा-तलाशी से छूट दी जाएगी। मी?डिया में 16 दिसंबर को आई खबर में बताया था कि पाकिस्तान विकसित देशों के समान स्व-आव्रजन सेवाओं के लिए कराची, लाहौर और इस्लामाबाद हवाई अड्डों पर 'ईगेट्स' स्थापित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) कंपनी के साथ बातचीत कर रहा है। आव्रजन सूत्रों की मानें तो ई-पासपोर्ट धारक यात्री ही 'ई-गेट्स' सुविधा का फायदा उठा सकेंगे।

श्रीलंका को आर्थिक मंदी से मुक्ति दिलाने आईएमएफ का कोई विकल्प नहीं

कोलंबो । श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कार्यक्रम से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। बता दें कि पिछले हफ्ते आईएमएफ ने श्रीलंका को 33.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर की दूसरी किश्त जारी करने की मंजूरी दे दी। इस दौरान सुधारों के विरोध में विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना का जवाब देते हुए राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि उन्होंने आईएमएफ कार्यक्रम को चुना क्योंकि यह एकमात्र उपलब्ध विकल्प था। गौरतलब है कि विक्रमसिंघे वित्त मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि जो सिर्फ लोगों को खुश करने के लिए बयान देते हैं वे आवश्यक कठोर निर्णय लेने के लिए तैयार नहीं होते हैं। मैंने आईएमएफ कार्यक्रम को चुना क्योंकि यह एकमात्र उपलब्ध विकल्प था। उन्होंने कहा और सभी राजनीतिक दलों से 2.9 अरब अमेरीकी डॉलर के बेलआउट की निंदा करते हुए जिम्मेदारी से कार्य करने का आग्रह किया। हालांकि हमें अतीत की आर्थिक गलतियों को सुधारने के लिए कड़े फैसले लेने होंगे। विक्रमसिंघे ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि वे आईएमएफ कार्यक्रम पर फिर से बातचीत करेंगे, यह सरासर झूठ है।

दो करोड़ लेकर अपने राष्ट्रीय पशु मारखोर का पाकिस्तान ने कराया शिकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने ही राष्ट्रीय पशु मारखोर का शिकार कराने के बदले दो कराड़ रुपए लिए है। अमेरिकी शख्स ने भुगतान कर इसके शिकार की अनुमति पाकिस्तान से ली थी। डेरॉन जेम्स मिल नाम के अमेरिकी नागरिक ने अक्टूबर में एक नीलामी में 232,000 डॉलर (करीब 2 करोड़ रुपए) की भारी-भरमक बोली लगाकर मारखोर के शिकार की अनुमति हासिल की थी। यह मारखोर के शिकार के लिए अब तक की सबसे बड़ी बोली थी।बता दें कि मारखोर एक तरीके की जंगली बकरी है और यह पहाड़ी इलाकों में पाई जाती है। इसकी सींग बेशकीमती होती है और करीब 45 इंच तक लंबी होती है। पाकिस्तान हर साल मारखोर के शिकार के लिए नीलामी के जरिए कुछ परमिट जारी करता है। ये परमिट तोशी, चित्राल, गिलगित बाल्टिस्तान, गहरायत जैसी जगहों पर शिकार के लिए मिलते हैं। पिछले साल मारखोर के शिकार की एक नीलामी 167,525 में डॉलर में हुई थी। पाकिस्तानी अफसरों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में मारखोर की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है, इसीलिए ट्रॉफी हंटिंग को बढ़ावा मिला है और इसके शिकार की इजाजत दी गई है। ट्रॉफी हंटिंग प्रोग्राम तहत नीलामी से जो पैसा आता है, उसमें से 80त्न स्थानीय लोगों को जाता है जबकि 20त्न सरकार अपने पास रखती है। खबरों के मुताबिक नीलामी के बावजूद सिर्फ नर और बुजुर्ग हो चुके मारखोर का ही शिकार करने की इजाजत मिलती है। हाल के दिनों में एक वर्ग पाकिस्तान सरकार की इस नीति की खासी आलोचना करता रहा है। आपको बता दें कि मारखोर पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु है।

किम जोंग ने पूर्वी समुद्र में दागी बैलिस्टिक मिसाइल ; जापान अलर्ट

सिओल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संयुक्त परमाणु निरोध को मजबूत करने का आह्वान किया है। साथ ही कहा कि उत्तर कोरिया ने सोमवार के मिसाइल लॉन्च में ठोस ईंधन आधारित अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का इस्तेमाल किया है। गौरतलब है ?कि उत्तर कोरिया ने सोमवार सुबह भी एक बैलिस्टिक मिसाइल पूर्वी सागर की तरफ दागी है।

ऑस्ट्रेलिया में आई भीषण बाढ़ की हवाई सर्वेक्षण के दौरान ली गयी तस्वीर।

रूस और यूक्रेन ने ड्रोन से एक-दूसरे के ठिकानों पर किए हमले

कीव । रूस और यूक्रेन ने लगातार दूसरे दिन एक-दूसरे के ठिकानों पर 12 से अधिक ड्रोन हमले किए। इस दौरान यूक्रेन ने रूस के एक सैन्य हवाई अड्डे को निशाना बनाया जबकि काला सागर तट के निकट ड्रोन का मलबा गिरने से यूक्रेन का एक नागरिक मारा गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मैसेजिंग ऐप 'टेलीग्राम' पर जारी एक संदेश में कहा कि दक्षिण-पश्चिमी रूस के तीन क्षेत्रों में रात में यूक्रेन के कम से कम 35 ड्रोन को मार गिराया गया है। वहीं एक रूसी टेलीग्राम चैनल के अनुसार यूक्रेन द्वारा निशाना बनाए गए रूसी ठिकानों में उसका एक सैन्य हवाई अड्डा भी शामिल है, जहां बमवर्षक विमान रखे जाते हैं। हालां?कि चैनल ने मकानों के ऊपर से उड़ते ड्रोन का लघु वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें दावा किया गया कि यह रूसी शहर मोरोजोवस्क का है। इसी शहर में स्थित रूसी सैन्य हवाई अड्डे पर रूस के वायुसेना की 559वीं 'बॉम्बर एविएशन रेजिमेंट' भी तैनात है।

इस हमले के बाद रूस के रोस्तोव प्रांत के गवर्नर वसीली गोलुबेव ने एक अलग बयान में मोरोजोवस्क और पश्चिम में एक अन्य शहर के पास बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने लेकिन सैन्य हवाई अड्डे का जिक्र नहीं किया। गोलुबेव ने कहा कि अधिकतर ड्रोन मार गिराए गए हैं और कोई भी इसमें हताहत नहीं हुआ। उन्होंने नुकसान को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की थी। हालां?कि यूक्रेन की वायुसेना ने रविवार को कहा कि उसने दक्षिणी और पश्चिमी यूक्रेन में रूसी सैनिकों द्वारा रात में भेजे गए 20 ईरान निर्मित ड्रोन को मार गिराया है।

पड़ोसी देश फिनलैंड के नाटो में शामिल होने से पुतिन नाराज, दे दी धमकी

मास्को (एजेंसी)। अपने पड़ोसी देश फिनलैंड के नाटो में शामिल होने से रूस नाराज हो गया है। इसी कारण से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में नाटो में शामिल हुए फिनलैंड को बड़ी धमकी दी है। पुतिन ने कहा कि पड़ोसी फिनलैंड इस साल नाटो में शामिल हो गया है और उसे अब समस्याएं हो सकती हैं। गौरतलब है कि फिनलैंड रूस का पड़ोसी देश है और उससे 1300 किमी की सीमा साझा करता है। फिनलैंड का नाटो में शामिल होना पूरे उत्तरी यूरोप के सुरक्षा परिदृश्य के लिए बड़ा बदलाव माना जा रहा है। फिनलैंड के नाटो में शामिल होने को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए बहुत बड़ा झटका माना जाता है जो लंबे समय से अमेरिका के नेतृत्व वाले इस सैन्य संगठन के विस्तार का कड़ा विरोध करते रहे हैं। पुतिन ने इससे पहले कहा था कि यूक्रेन को नाटो में शामिल होने से रोकने के लिए उन्होंने विशेष सैन्य अभियान शुरू किया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वे पश्चिमी देश फिनलैंड को अपने साथ मिला लिए और उसे नाटो में शामिल कर लिया। उन्होंने फिनलैंड पर कहा, इसमें कोई दिक्कत नहीं है लेकिन अब वहां हो सकती है। क्योंकि अब हम लेनिनग्राड मिलिट्री डिस्ट्रिक का निर्माण करेंगे। निश्चित रूप से वहां पर सैन्य यूनिटों की तैनाती की जाएगी।

पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के उस बयान को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पुतिन ने यूक्रेन पर कब्जा कर लिया तो वह आगे बढ़ना जारी रखेंगे। इस पर बाइडन ने सुझाव दिया था कि रूस एक नाटो सहयोगी देश पर हमला कर सकता है और अमेरिकी सैनिकों को भी जंग में आगे कर सकता है। बाइडन के बयान पर पुतिन ने कहा कि रूस के पास कोई कारण नहीं है, कोई हित नहीं है, न ही भूराजनीतिक न ही आर्थिक, न ही राजनीतिक या सैन्य कारण है, जिसकी वजह से नाटो देशों के साथ युद्ध किया जाए। बता दें कि फिनलैंड नाटो का 31वां सदस्य देश बन गया है। गत अप्रैल महीने में फिनलैंड नाटो में शामिल हुआ था। इससे अब उत्तरी यूरोप की तरफ से भी नाटो की सीमा रूस से मिलने लगी है।

डब्ल्यूएचओ ने किया अलर्ट कहा-कोरोना के 68 फीसदी मामले सबवैरिएंट जेएन.1 की वजह से हैं

जिनेवा (एजेंसी)। देश दुनिया में एक बार फिर कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। भारत भी साढ़े 3 सौ से अधिक लोग संक्रमित पाए गए है। डब्ल्यूएचओ ने कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए अलर्ट जारी किया है। साथ यह भी कहा कि कोरोना वायरस फैल रहा है और फिलहाल कोरोना के 68 फीसदी मामले सबवैरिएंट जेएन.1 की वजह से हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सदस्य देशों से अपील की है कि वह मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग संबंधी नियमों को लागू करें और कड़ी निगरानी करें।

सांस संबंधी बीमारियों के बढ़ने और कोरोना के नए सबवैरिएंट जेएन.1 को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सदस्य देशों को आगाह किया है। डब्लूएचओ ने कहा है कि वायरस अपना स्वरूप बदल रहे हैं। ऐसे में सभी सदस्य देश अपने यहां मजबूत सर्विलांस रखें ताकि बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। डब्लूएचओ ने कोविड19 पर संगठन की टेक्निकल लीड मारिया वान केरखोव का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस वीडियो में केरखोव ने सांस संबंधी बीमारियों के फैलने की वजह बताई है और इन्हें रोकने के लिए क्या सावधानी रखने की जरूरत है, उसकी भी जानकारी दी है।

मारिया वान केरखोव ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि सांस संबंधी बीमारियां दुनिया में लगातार बढ़ रही हैं। इनमें कोरोना वायरल, फ्लू, रिनो वायरस, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और अन्य बीमारियां शामिल हैं। सार्स कोव-2 लगातार अपने आप को बदल रहा है। कोरोना का सबवैरिएंट जेएन.1 भी फैल रहा है। केरखोव ने कहा कि सांस संबंधी बीमारियों के फैलने की कई वजह है, इनमें एक मौजूदा छुट्टियों का सीजन भी है, जिसमें परिवार इकट्ठा होते हैं और बड़ी संख्या में लोग यात्राएं करते हैं। ऐसे में सरकारों को कड़ी निगरानी करने की जरूरत है।

शरणार्थी शिविर पर इजरायली सेना ने किया हमला, 90 की मौत

गाजा पट्टी (एजेंसी)। इजरायली सेना गाजा पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है। किसे मारा जा रहा है और कोन प्रभावित हो रहे है इससे भी सेना का कोई वास्ता नहीं है। ऐसा ही एक हमला शरणार्थी शिविर पर किया है जिसमें करीब 90 लोगों की मौत हो गई है।उत्तरी गाजा में हुए इस हमले में 100 से ज्यादा फिलिस्तीनी लोग घायल भी हुए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिपोर्ट में बताया गया है कि रविवार को जबालिया शहर में ये अटैक हुआ है। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी मारे गए हैं। वहीं दर्जनों लोग लापता हैं।हमले के बाद स्थानीय लोग घायलों की तलाश कर रहे हैं, माना जा रहा है कि मलबे के नीचे और शव दबे हो सकते हैं। बड़ी संख्या में घायलों के आने से आसपास के अस्पतालों में भी उपापोह की स्थिति हो गई क्योंकि चिकित्सा केंद्र पहले से ही रोगियों से भरे हुए हैं। इस हमले में मरने वालों में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद समूह के प्रवक्ता दाऊद शेहाब का बेटा भी शामिल है। इसकी जानकारी संगठन के ही एक कमांडर ने स्थानीय मीडिया को दी है।

इजराइल ने दक्षिणी गाजा में बीते कुछ दिनों में अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है। इससे खान यूनिस और राफा शहर प्रभावित हुए हैं, जहां अधिकांश विस्थापित फिलिस्तीनी शरण ले रहे हैं। दक्षिण में बढ़ती बमबारी से मानवीय संकट भी पैदा हो रहा है। लोगों के सामने भोजन और पानी का संकट खड़ा हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि करीब 19 लाख लोग यानी गाजा की लगभग 80 प्रतिशत आबादी युद्ध के चलते विस्थापित हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी, यूएनआरडब्ल्यूए की ओर से गाजा के हालात पर लगातार चिंता जताई गई है।हमले के बाद जो लोग लापता हैं, उनके परिजन मलबे के नीचे शवों को ढूंढ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मलबे के नीचे मृत लोगों की संख्या बहुत बड़ी है, लेकिन उन्हें निकालने का उनके पास फिलहाल कोई रास्ता नहीं है।

कश्मीर मामला सुलझाये बगैर दक्षिण एशिया में शांति स्थापना मुश्किल : मुनीर

-यूएनएससी प्रस्ताव की उपेक्षा को लेकर पाक सेना प्रमुख ने की यूएन चीफ गुटेरेस से वार्ता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान को लेकर पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ बैठक की है। मुनीर ने यूएन चीफ से कहा है कि जब तक कश्मीर का मामला नहीं सुलझता तब तक दक्षिण एशिया में शांति स्थापित करना मुश्किल है, क्योंकि कश्मीर का मामला सिर्फ कश्मीरियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे इलाके के लिए अहमियत रखता है। पाक सेना के मीडिया विंग के अनुसार मुनीर ने गुटारेस से कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यूएनएससी के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार लंबे समय से चले आ रहे कश्मीर विवाद का शांतिपूर्ण समाधान खोजना चाहिए। ये दक्षिण एशिया में शांति बनाने के लिए जरूरी है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में गुटेरेस के साथ बैठक में मुनीर ने भारत के जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 खत्म करने के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि भारत की संसद और कोर्ट ने यूएनएससी प्रस्तावों की उपेक्षा करते हुए कश्मीर की स्थिति को बदलने की दिशा में एकतरफा कदम उठाए हैं, जिसकी निदा की जानी चाहिए।

अपने अमेरिका दौरे के दौरान पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने यूएन चीफ के अलावा वाशिंगटन में रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन और राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन समेत कई अमेरिकी अफसरों के सामने भी कश्मीर मुद्दा उठाया है। मुनीर ने सभी के सामने ये बात दोहराई है कि भारत का फैसला एकतरफा और गैरकानूनी है, ऐसे में इस पर दुनिया को आगे बढ़ते हुए कोई कदम उठाना चाहिए। मुनीर का कहना है कि भारत जिस तरह के कदम उठा रहा है, वह इलाके की शांति के लिए भी उचित नहीं हैं।

भारतीय सुप्रीम कोर्ट के कश्मीर से 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखने का फैसला आने के बाद असीम मुनीर के अलावा पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर भी कड़ी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। हक ने भी भारत के कदम को पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कहा है। वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने यूएन और ओआईसी को इस मामले में चिट्ठी भी

लिख दी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा है कि भारत को ऐसे कदम उठाने से रोका जाना चाहिए।

नासा ने ढूंढे 17 ऐसे ग्रह जिनके नीचे विशाल महासागर के साथ एलियंस भी मौजूद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने 17 ऐसे ग्रहों की खोज की है, जिनके नीचे विशाल महासागर हो सकते हैं, इसके साथ ही यहां पर एलियंस की मौजूदगी भी हैरान करने वाली है। नासा के अनुसार यहां की बर्फीली सतह के नीचे जीवन को सपोर्ट करने वाले महासागर मौजूद हो सकते हैं। दुनियाभर की अन्य एजेंसियों की तरह ही नासा भी पृथ्वी के अलावा दूसरे ग्रहों पर जीवन की तलाश कर रही है। यह माना जा रहा है कि कुछ ग्रह पर भले ही बहुत ज्यादा ठंड हो, लेकिन उनकी बर्फीली सतह के नीचे जीवन मौजूद हो सकता है। नासा ने जारी एक बयान में कहा कि इन महासागरों का पानी कभी-कभी बर्फ की परत के जरिए गीजर के रूप में सतह से बाहर निकलता है। हालांकि साइंस टीम ने इन एक्सोप्लैनेट पर गीजर गतिविधि की मात्रा की गणना करते हुए पहली बार ये अनुमान लगाए गए हैं। इन 17 एक्सोप्लैनेट्स को खोजने का काम नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर की डॉ. लिने क्विक के नेतृत्व वाली

टीम ने किया है। उन्होंने इन एक्सोप्लैनेट्स को लेकर एक स्टडी भी जारी की है, जिसमें इनके बारे में ज्यादा जानकारी दी गई है।

एक अध्ययन में इस बात पर फोकस किया गया है कि हैबिटेबल जोन की बजाय हमें ठंडे एक्सोप्लैनेट्स पर जीवन ढूंढने के लिए काम करना चाहिए। ठंडे ग्रहों की बर्फीली सतह के नीचे महासागर मौजूद हो सकते हैं। इसमें बताया गया है कि ग्रह के नीचे मौजूद महासागर इसके इंटरनल हीटिंग मैकेनिज्म का इस्तेमाल कर रहे होंगे। हमारे सौरमंडल में मौजूद यूरोपा और इंक्लेडस नाम के चंद्रमाओं पर भी ऐसा ही होता है। डॉ. लिने क्विक ने बताया कि हमारे विश्लेषण के मुताबिक इन 17 बर्फीली दुनियाओं में बर्फ से ढकी सतहें मौजूद हो सकती हैं। मगर इन ढकी सतहों के नीचे मौजूद महासागरों में पानी को जमने से बचाने के लिए इनके सूर्य से रेडियोएक्टिव तत्व और ज्वार बल की मदद मिल रही होगी। इन दोनों चीजों की मदद से इतनी हीटिंग मिल रही होगी, जो पानी को आसानी से जमने नहीं देती है। इसी हीटिंग के चलते कई बार महासागरों का पानी सतह को चीरकर बाहर भी आ रहा है। हालांकि, इस स्टडी में ये नहीं बताया गया है कि ग्रहों की बनावट किस तरह से हुई है। मगर पानी की मौजूदगी कहीं न कहीं इस बात संकेत भी देती है कि इन ग्रहों पर जीवन हो सकता है। ये भी बताया गया कि जीवन अभी बैक्टीरिया और माइक्रोब्स की अवस्था में हो। हालांकि, नासा की स्टडी में ग्रहों पर जीवन की मौजूदगी के बारे में ज्यादा कुछ विस्तार से नहीं कहा गया है। ऐसे में किसी ठोस नतीजे पर पहुंचना जल्दबादी होगी।

ईरान में सबसे ज्यादा दी जा रही फांसी, 10 महीने में 604 को दी मौत

तेहराइन। इरान में धड़ाधड़ दी जाने वाली फांसी को लेकर सभी जगह चर्चा हो रही है। यहां मात्र दस महीने में 604 लोगों को फांसी पर लटका दिया है। ईरान ने अपने नागरिक को इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए काम करने का दोषी पाया था। खुफिया डॉक्यूमेंट्स को आधार बना ईरान ने फांसी देने वाले शख्स पर जासूसी का आरोप लगाया और फिर आखिरकार उसे फांसी पर लटका दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक अकेले पिछले 10 दिनों में 42 लोगों को ईरानी प्रशासन ने मौत के घाट उतार दिया। इस तरह अगर देखें तो हर 6 घंटे में एक शख्स को फांसी दी गई। ईरान अंदरूनी समस्याओं से लगातार जूझ रहा है। सबसे बड़ी दिक्कत है वहां अर्थव्यवस्था और दूसरा देश का सख्त इस्लामिक कानून। इस्लामिक कानूनों का ही हवाला देकर वहां की सरकार महिलाओं पर पाबंदी और बेहिसाब फांसी की सजाएं देती रही है। ईरान को लेकर काम करने वाली मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक महस अमीनी की पुलिस कस्टडी में गई जान के बाद जो हिजाब विरोधी प्रदर्शन हुए, उसमें कम से कम 229 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। इसी साल की बात है, नवंबर के महीने में संयुक्त राष्ट्र संघ ने ईरान में बड़ें पैमाने पर हो रही फांसी को एलार्मिंग बताया था। 2023 के शुरुआती सात महीनों में 419 लोगों को फांसी की सजा दे दी गई। 2022 की तुलना में यह 30 प्रतिशत तक अधिक था. वहीं एक दूसरे रिपोर्ट के मुताबिक इस साल के शुरुआती 10 महीनों में 604 लोगों को फांसी दे दी गई। यह संख्या पिछले आठ साल में सबसे अधिक थी। साल 2015 में सबसे अधिक 972 लोगों को ईरान में फांसी दी गई थी। नवंबर महीने में जिन लोगों को फांसी दी गई, उनमें दो महिलाएं जबकि एक बच्चा शामिल था। मरने वाले लोगों में सबसे अधिक कुर्दिश और बलूची लोग हैं। कर्दिश और बलूची आबादी ईरान में अल्पसंख्यक है।

संपादकीय

CHALLENGE v/s CHANGE

जिस तरह पतझड़ का मौसम आने पर पेड़ो से सारे फल फूल पत्ते झड़ जाते हैं पर वह टूटता नही , बिना हिम्मत हारे मजबूती के साथ खड़ा रहता हैं यह सोच कर की फिर से बसंत का मौसम आयेगा और फिर से वह फल फूल पत्तो से लद जायेगा, हरा भरा हो जायेगा ।ठीक इसी तरह विपत्ति के किसी भी समय मुझे विचलित नही होना हैं और इस बात से हमें यह सीख मिलती है की जीवन की हर अनुकूल प्रतिकूल परिस्थिति मे हम सम रहने का प्रयास करे। आधुनिक जीवन की व्यस्त शैली में आनंदमय जीवन जीने का हम सिद्धांत भूल रहे हैं आनंद महसूस करने की अदभ्य शक्ति हमारे भीतर ही है ।जीवन का वास्तविक आनंद स्वयं को जानने से ही मिलता है । जिस तरह अपने शरीर को स्वस्थ और तंदुरुस्त रखने के लिए भोजन, शयन और जागरण के नियमों के साथ-साथ व्यायाम भी करना जरूरी है ।उसी तरह आध्यात्मिक पथ पर बढ़ते हुए यथासंभव दूसरों की निस्वार्थ मदद करना, बदले की भावना की जगह माफ करने का गुण विकसित करना, एक सीमा तक धन अवश्य रखना परंतु फिजूल खर्च ना करना,पाप -धर्म का बोध होना, समता,करूणा, प्रेम , विश्वास और आदर रखना तथा प्रतिकूल परिस्थिति में भी सम भाव में रहना आनंदमय जीवन के लिए जरूरी है । परिस्थिति तो अपने आप मे एक ही होती है,सबके अलग- अलग नजरिये होते है कि वो उसको किस रूप में लेता है। वैसे काफी हद तक इसमें हमारे कर्म-संस्कार के कारण हमारे भावों से वो प्रभावित होती है,हम अपने होश में रहते हुए हर परिस्थिति के अनुकूल अपने आपको ढालने की कोशिश करें तो हम शान्तचित्त होकर उसके मनोनुकूल परिणाम पाने में काफी हद तक सक्षम हो पाते हैं ।हम कभी परिस्थिति को दोष देंकर ,उसके सामने घुटने न टेकें, सम्यक् पुरुषार्थ के द्वारा परिस्थिति के अनुसार अपने आपको सम्यक् नियोजन करें तो सफलता मिलेगी,अगर न भी पा पाएं तो निराश न होयें,बल्कि अपने सम्यक् पुरुषार्थ से संतुष्ट होकर शान्तचित्त रहने का प्रयास करें,उसे नियति समझकर ।हालांकि कई बार अपने को समझाना बहुत कठिन होता है, उस परिस्थिति में शरीर और आत्मा के भेदविज्ञान को समझते हुए शरीर की नश्वरता को समझकर उस समय शांत रह पाता है,लेकिन बहुत जल्दी सम्भल जाना ही ,ऐसी परिस्थिति से ,हमारे लिए ,बहुत जरूरी है ।हम भावों को प्रतिदिन ज्यादा से ज्यादा शुद्धतम बनाते जाएं सर्वदा। भावों में बहुत ज्यादा शक्ति होती है,इसका हर समय हमें स्मरण रहें,हम उसे कभी भी कम समझने की भूल न करें।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

अब भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण भी पहुंचा विश्व में पांचवे स्थान पर

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारत आज विश्व के कई देशों को विभिन्न क्षेत्रों में राह दिखाता नजर आ रहा है। अभी हाल ही में भारतीय शेयर (पूंजी) बाजार, नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज, ने 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के पूंजीकरण के स्तर को पार कर लिया है। विदेशी निवेशक एवं विदेशी संस्थान जो माह सितम्बर 2023 तक भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे थे, अब अचानक भारी मात्रा में भारतीय शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। आज कई बार तो एक दिन में 5000 करोड़ रुपए से भी अधिक की राशि का निवेश इन विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में किया जा रहा है।

नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों (निफ्टी) का कुल बाजार पूंजीकरण 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर अथवा 335 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान इन कम्पनियों का पूंजीकरण 17.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की संयोजित (कंपाऊडेड) दर से बढ़ा है। भारतीय शेयर बाजार के विकास की यह रफ्तार अभी भी जारी है और कलेंडर वर्ष 2023 के अभी तक के कार्यकाल के दौरान निफ्टी पर रजिस्टर्ड कम्पनियों के पूंजीकरण, 55 लाख करोड़ रुपए (11 प्रतिशत) से बढ़ चुका है। पिछले केवल 3 माह के दौरान भारतीय कम्पनियों का निफ्टी पर पूंजीकरण 8.82 प्रतिशत की दर से बढ़ा है, जो कि विश्व के 10 सबसे बड़े शेयर बाजार में सबसे अधिक तेज गति से बढ़ा है। आज भारत विश्व के शेयर बाजार के पूंजीकरण में 3.61 प्रतिशत का योगदान कर रहा है जो जनवरी 2023 में 3.37 प्रतिशत था।

नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया है। भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में पांचवे स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 47.78 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पूरे विश्व में अमेरिकी शेयर बाजार का योगदान, शेयर के पूंजीकरण के मामले में, 44.74 प्रतिशत है और अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद का अमेरिकी शेयर बाजार का पूंजीकरण 188 प्रतिशत है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 9.73 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। इस वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को रिणात्मक प्रतिफल दिए हैं। पूरे विश्व में चीन के शेयर बाजार का योगदान 9.12 प्रतिशत है और चीन के सकल घरेलू उत्पाद का चीनी शेयर बाजार का पूंजीकरण केवल 54 प्रतिशत है। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.02 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पूरे विश्व में जापान के शेयर बाजार का योगदान 5.64 प्रतिशत है और जापान के सकल घरेलू उत्पाद का जापान के शेयर बाजार का पूंजीकरण 142 प्रतिशत है। चौथे स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.78 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पूरे विश्व में हांगकांग के शेयर बाजार का योगदान 4.48 प्रतिशत है और हांगकांग के सकल घरेलू उत्पाद का हांगकांग शेयर बाजार का पूंजीकरण 1329 प्रतिशत है। जबकि भारत, फ्रान्स एवं ब्रिटेन के शेयर बाजार को पछाड़कर पांचवे स्थान पर आ गया है। आज भारत के शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पूरे विश्व में भारत के शेयर बाजार का योगदान 3.61 प्रतिशत है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद का भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 114 प्रतिशत है। जिस तेज गति से भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे बढ़ रहा है, अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि शीघ्र ही भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण हांगकांग शेयर बाजार के पूंजीकरण को पीछे छोड़ते हुए पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ जाएगा।

केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों द्वारा कई बार यह आरोप लगाया जाता है कि भारत में सरकारी उपक्रमों को समाप्त किया जा रहा है। जबकि पिछले 27 माह के खंडकाल के दौरान सरकारी उपक्रमों का पूंजीकरण शेयर बाजार में दुगना होकर 46.40 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। सरकारी उपक्रमों ने अपने बाजार पूंजीकरण में इस अवधि में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की है। बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज का सेन्सेक्स पिछले 27 माह में 60,000 के स्तर से 70,000 के स्तर को पार कर गया है। इन सरकारी उपक्रमों के कोरपोरेट गवर्नन्स में भारी सुधार हुआ है, जिसके चलते न केवल विदेशी निवेशकों का बल्कि भारत के संस्थागत निवेशकों एवं खुदरा निवेशकों का भी विश्वास इन सरकारी उपक्रमों पर बढ़ा है।

केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लगातार लागू किए जा रहे विभिन्न सुधार कार्यक्रमों के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक, विदेशी खुदरा निवेशक एवं विदेशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारतीय कम्पनियों में भारी मात्रा में शेयर बाजार के माध्यम से निवेश कर रहे हैं। हालांकि हाल ही के समय में भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है जिससे इन कम्पनियों के विभिन वित्तीय रेशीओ बहुत आकर्षक बन गए हैं। जबकि चीन, हांगकांग, जर्मनी, जापान जैसे शेयर बाजार अपने निवेशकों को रिणात्मक अथवा बहुत कम रिटर्न दे पा रहे हैं। कई विदेशी संस्थान निवेशक तो चीन, हांगकांग आदि देशों से अपना पूंजी निवेश निकालकर भारतीय शेयर बाजार में कर रहे हैं। इससे आगे आने वाले समय में भी भारतीय शेयर बाजार में वृद्धि दर आकर्षक बनी रहेगी, इसकी भरपूर सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

ऐसा कहा जाता है कि शेयर बाजार में निवेशक अपनी जमापूंजी का निवेश बहुत सोच विचार कर करता है एवं जब निवेशकों को यह आभास होने लगता है कि अमुक कम्पनी का भविष्य बहुत उज्जवल है एवं निवेशक द्वारा किए गए निवेश पर प्रतिफल अधिकतम रहने की सम्भावना है, तभी निवेशक अपनी जमापूंजी को शेयर बाजार में उस अमुक कम्पनी में निवेश करते है। इस प्रकार, जब किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर निवेशकों का भरोसा बढ़ता हुआ दिखाई देता है तो विशेष रूप से विदेशी निवेशक एवं विदेशी निवेशक संस्थान उस देश में विभिन्न कम्पनियों के शेयर में अपनी निवेश बढ़ाते हैं। चूंकि विदेशी संस्थानों को आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था पर एवं भारतीय कम्पनियों की विकास यात्रा पर भरपूर भरोसा है अतः भारतीय शेयर बाजार में निवेश भी रफ्तार पकड़ रहा है।

निवेश में अतिरिक्त सावधानी से ही सुरक्षा

मधुरेन्द्र सिन्हा

शेयर बाजारों में खासी तेजी है। संसेक्स उन ऊंचाइयों पर जा पहुंचा है जहां निवेशकों के वारे-न्यारे हो रहे हैं। इसी तेजी को देखते हुए बड़े पैमाने पर आईपीओ यानी पब्लिक इश्यू लाये जा रहे हैं। वर्ष 2013 में इतनी कंपनियों के आईपीओ आये कि एक रिकॉर्ड हो गया। लगभग सभी क्षेत्रों की कंपनियों ने इस मार्केट में गोता लगाया, जिनमें कुछ कंपनियां तो ऐसी भी थीं जो महज अपने वैल्यूएशन के बल पर मैदान में उतरी थीं। बाद में उनका मुलम्मा उतर गया और उनके निवेशकों की आंखों में आंसू आ गये। बहरहाल, यह कवायद जारी है और बड़े पैमाने पर पब्लिक इश्यू बाजार में आ रहे हैं। इनमें से तो कई ऐसे हैं जिन्हें 2023 में ही आना था, लेकिन वे आ नहीं पाये और अब नये साल में कदम रखेंगे। इनकी भी तादाद अच्छी-खासी है और कइयों का वज़न भी खूब है। अभी और 2024 में कई कंपनियां प्राइमरी मार्केट में आ रही हैं। आशय यह है कि प्राइमरी मार्केट में इस समय काफी भीड़ है और हर कंपनी इसका फायदा उठा लेना चाहती है। काफी समय से लंबित कंपनियां भी अब जाग्रत हो गई हैं और अपने-अपने इश्यू लेकर आ रही हैं। अब लाख टके का सवाल है कि व्यक्तिगत निवेशक कहां जाये और क्या खरीदारी करे? आम निवेशक बहुत समझदार नहीं होता है और न ही उसे पैसे का गणित समझ में आता है। वह अपने पैसे दुगने-तिगने करने के बारे में सोचता है और जिस कंपनी की चमक-दमक उसे दिखती है, वह उसमें ही पैसे लगा देता है। बाद में उसे पछतावा होता है कि कैसे एक जानी-मानी कंपनी में पैसे लगाने के बाद उसकी रातों की नींद हराम हो गई। प्राइमरी मार्केट का फॉर्मूला हर किसी की समझ में नहीं आता है और लोग परेशान होते रहते हैं। इसका कारण है कि आईपीओ बाजार में उतरी हर कंपनी अपने ढंग से दावे करती है और उनके पीछे ब्रोकर तथा अन्य तरह की वित्तीय कंपनियां भी होती हैं जिन्हें अंडरराइटर कहते हैं। इनके सहारे उनका तो बेड़ा पार हो जाता है लेकिन बेचारा निवेशक फंस जाता है। अगर आप याद करें तो याद आयेगा। नब्बे का दशक। उस समय शेयर बाजारों में एक तूफान आया था जिसमें निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। उस समय सेबी के नियम-कानून ऐसे थे कि कोई भी कंपनी शेयर बाज़ार में उतर सकती थी। इसका नतीजा यह हुआ कि सैकड़ों कंपनियां न्यूनतम योग्यताओं के साथ बाजार में उतरीं और उसमें से ज्यादातर पैसे बटोरकर फरार हो गईं। इन्हें फ्लाई बाई नाइट कंपनियां कहा जाता था क्योंकि आईपीओ के पैसे बैंक में आते ही ये फुर्र हो जाती थीं और फिर उनके ऑफिस में ताला लग जाता था। ऐसी कई कंपनियों ने मर्चेंट बैंकर्स के साथ मिलकर शेयर बेचे, जिनसे निवेशकों के पैसे डूब गये। सरकारी एजेंसियां इन कंपनियों के प्रमोटरों को ढूंढ़ती रह गईं लेकिन उनमें से कई तो भारत छोड़कर जा चुके थे। दरअसल, जब निवेशकों ने शोर मचाना शुरू किया और मीडिया में खुलकर बात सामने आने लगी तो फिर सरकार जागी। सेबी ने नियम बदलने शुरू कर दिये। शेयर बाज़ार में उतरने की पात्रता में काफी बदलाव किये गये। उन कंपनियों को आने से रोक दिया गया जो कम से कम तीन साल से काम न कर रही हों और उनके बैलेंस शीट में लाभ न दिख रहा हो। इसका परिणाम यह हुआ कि एक बाधा आ गई। इसके अलावा डीमैटिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। हालांकि शुरू में इसका बाज़ार पर बुरा असर पड़ा क्योंकि लोग शेयरों को डीमैट करने से हिचकिचा रहे थे। सेबी ने शेयर बाज़ार में उतरने वाली कंपनियों की आर्थिक सेहत के बारे में कई तरह की शर्तें रखीं जिससे वे गड़बड़ नहीं कर पायें। इन कदमों का फायदा हुआ और आईपीओ की बाढ़ रुक गई। हालांकि, इस समय पहले जैसे हालात नहीं हैं लेकिन कई कंपनियां अपना खेल कर ही जाती हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां भी इनमें शामिल हैं। ये शेयर बाजार से पैसे तो उगाह लेती हैं लेकिन पैसे फिर इधर-उधर लगा देती हैं। एक बहुत बड़े प्राइवेट बैंक की एक सहयोगी कंपनी को इसमें काफी जुर्माना लगा क्योंकि उसने आईपीओ से प्राप्त राशि दूसरी कंपनी में लगा दी जबकि सेबी के कानूनों के अनुसार यह गलत है। इस तरह के कई मामले सामने आये और सेबी ने कार्रवाई की। लेकिन फिर भी कुछ कंपनियों ने अपनी आर्थिक हैसियत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाई। आंकड़ों में एक तरह से हेराफेरी की और अपने को जबर्दस्त विज्ञापनों के साथ पेश किया। इनमें से कई चर्चित शेयरों के निवेशकों को जबर्दस्त धक्का लगा। इन कंपनियों के वैल्यूशन बहुत ज्यादा किये गये थे जो बढ़ा-चढ़ाकर पेश किये गये थे। निवेशकों ने इनमें खुलकर पैसा लगाया और बदले में बुरी तरह से मार खाई। पेटीएम के शेयरों में जो गिरावट आई उसका खमियाजा निवेशकों ने भुगता। निवेशकों को खासा चूना लगा है। आईपीओ लाने के समय में कंपनी ने अपना वैल्यूशन इतना ज्यादा बताया जिससे निवेशक फंस गये और अब इससे निकलने का कोई जरिया नहीं है। फैशन की दुनिया में एक कंपनी का उदय हुआ जिसका नाम है नायका। इसकी पब्लिसिटी जमकर हुई और कंपनी ने 5,235 करोड़ रुपये का अपना पब्लिक इश्यू जारी किया। लेकिन लिस्टिंग के बाद इसके शेयर आधे से कम दाम पर चले गये। निवेशकों की गाढ़ी कमाई लुट गई और निकट भविष्य में उनकी वापसी का रास्ता नहीं है। बजाज कॉर्प भी एक उदाहरण है जिसने स्टॉक मार्केट में धूम-धड़ाके से प्रवेश किया। बाद में उसके शेयर औंधे मुंह गिर गये। ऐसी कंपनियों की सूची लंबी है और निवेशक उसमें फंसे पड़े हैं। इसके कई कारण हैं जिनमें सबसे बड़ा कारण है कंपनियों द्वारा अपने वैल्यूशन को ऊपर उठाना।

ये कंपनियां अपना वैल्यूशन काफी ऊंचा रखती हैं, चाहे प्रॉफिट हो न हो। यह एक नया ट्रेंड है और इससे वे शेयर बाजार में ऊंचे दामों में अपने शेयर बेचने में कामयाब हो जाती हैं। दूसरी ओर निवेशक भी लालच में आ जाता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

विचार मंथन

संसद की घटना पर सरकार गंभीर नहीं?

(लेखक- सनत जैन)

संसद की दर्शक दीर्घा से दो युवकों ने कूदकर सदन में आतंक मचाया। उन्होंने धुआं करने वाले बम जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। संसद परिसर में भी इसी तरीके की वारदात की गई। संसद में हमले के आरोप में छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जो आरोपी हैं, उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए इस आतंकी घटना को अंजाम देना करार दिया है। आरोपियों द्वारा कहा जा रहा है, कि सरकार की असंवेदन शीलता के कारण उन्हें इस तरह के आतंक का सहारा लेना पड़ा। सारे आरोपी भगत सिंह फैन क्लब के सदस्य हैं। यह माना जा रहा है कि उन्होंने वर्तमान सरकार द्वारा जिस तरीके से युवाओं की उपेक्षा की जा रही है। महंगाई और बेरोजगारी को लेकर उन्हें सरकार द्वारा चिढ़ाया जा रहा है। सरकार बार-बार कह रही कि महंगाई और बेरोजगारी जैसी कोई समस्या नहीं है। इससे नाराज होकर युवाओं ने भगत सिंह का पथ अपनाते हुए यह प्रदर्शन किया है। ईश्वर की कृपा है,कि कोई ऐसी घटना नहीं घटी। जिसमें जान माल का नुकसान हुआ हो। लेकिन संसद के अंदर इस तरीके की आतंकी घटना को कभी स्वीकार नहीं की जा सकता है। जब सिस्टम ही नकारा हो जाए। मीडिया एक तरफा सरकार की वाह- वाही करने लगे। आम जनता अपनी बात को कहीं ना रख पाए। विपक्षी दल भी संसद में जनता की बात को नहीं उठा पाएं। ऐसी स्थिति में इस तरीके की घटनाएं होना स्वाभाविक हैं। घटना हो गई,घटना के बाद सरकार और विपक्ष के बीच इस घटना को लेकर जो वाद विवाद चल रहा है। संसद की कार्रवाई पिछले कई दिनों से नहीं चल पा रही है। विपक्ष जहां गृहमंत्री से इस मामले में बयान देने की मांग पर अड़ा हुआ है। वहीं प्रधानमंत्री और गृहमंत्री संसद में बयान देने के स्थान पर मीडिया के सामने संसद की घटना को लेकर अपना पक्ष रख रहे हैं। जब संसद का सत्र चल रहा है। ऐसे संवेदनशील मामले में सरकार को संसद के अंदर अपना पक्ष रखने की अपेक्षा की जाती है। 2001 में जब संसद में आतंकवादी हमला हुआ था। उसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने संसद के अंदर वस्तु स्थिति की जानकारी देते हुए, सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में समन्वय बनाते हुए, इस दुरुह स्थिति का सामना किया था। भारतीय जनता पार्टी की सरकार तब भी थी, भारतीय जनता पार्टी की सरकार अब भी है। अटल बिहारी वाजपेई जी का उदाहरण सत्ता पक्ष के सामने है। इसके बाद भी यदि गृहमंत्री संसद के अंदर बयान न देकर इसे लोकसभा सचिवालय तक सीमित कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। इसको लेकर विपक्ष भड़का हुआ है। विपक्ष पहले की तुलना में अब एकजुट है। विपक्ष गृहमंत्री अमित शाह से इस घटना पर बयान देने की मांग पर अड़ा हुआ है। सोमवार को सदन शुरू हुआ, दोनों ही सदनों में विपक्षी इस बात पर अड़े हुए थे, कि गृहमंत्री आकर घटना के बारे में जवाब दें। इस स्थिति में यही लगता है कि सरकार का प्रयास है, कि इस घटना की चर्चा संसद में ना हो। गृहमंत्री यदि बयान देने सामने नहीं आएंगे, तो संसद की कार्यवाही नहीं चलेगी। इसका फायदा अप्रत्यक्ष रूप से सरकार को होगा। यदि सरकार की यह सोच है, तो उनके हिसाब से यह ठीक है। लेकिन संसद में इतनी बड़ी घटना हो गई, सरकार विपक्षी दलों को अपने साथ लेकर नहीं चलना चाहती है। इस मुद्दे को विवादास्पद बनाकर यदि मामले को टाला जा रहा है। तो निश्चित रूप से इसके परिणाम सरकार के लिए अच्छे नहीं होंगे। इसमें सरकार को ही सबसे ज्यादा नुकसान होगा। छुरी खरबूजे पर गिरे या खरबूजा छुरी पर गिरे, कटता खरबूजा ही है। सरकार यदि इस मामले को लंबा खींचती है, तो इसका नुकसान सरकार को ही भुगतना पड़ेगा। महंगाई और बेरोजगारी को लेकर युवाओं और आम जनता के बीच सरकार की छवि खराब होगी। हैरान परेशान युवाओं ने संसद और सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह घटना की थी। जब तक यह विवाद चलता रहेगा, तब तक महंगाई और बेरोजगारी की बात भी सामने आती रहेगी। आतंक की इस घटना को सही नहीं ठहराया जा सकता है। इसे भी सही नहीं ठहराया जा सकता है, कि जब करोड़ों युवा बेरोजगार हैं। भारी महंगाई है, सरकार धरना प्रदर्शन के बाद भी जब नागरिकों की बात को नहीं सुनती है। मीडिया जब जनता का पक्ष नहीं रखता है। ऐसी स्थिति में उनके पास भी शायद अन्य कोई विकल्प नहीं रह गया था, जिसके कारण उन्हें संसद में जाकर इस घटना को अंजाम देना पड़ा। पुलिस की जांच में इस बात का भी खुलासा हुआ है, कि यह युवा आत्मदाह करने की मंशा में थे। विस्फोटक नहीं मिलने के कारण वह आत्मदाह नहीं कर सके। संसद में हमले के कारण पूरी दुनिया में यह मामला चर्चाओं में है। महंगाई बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार घिर गई है। सरकार यहां पर भी घिरी हुई है, कि आतंकी घटना को अंजाम देने वालों को आतंकवादी माने, या भटके हुए अर्बन नक्सल जैसे युवा माने।

बच्चों का व्यक्तित्व विकास कैसे हो

पेंसिल और इरेज़र के इस संवाद से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमारे माता-पिता इरेज़र और बच्चे पेंसिल की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों की गलतियों को सुधारने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। माता-पिता को संतुष्ट करने वाले को परब्रह्म भी प्रसन्न रखते हैं। माता-पिता को कभी दुःखी न करें।

पेंसिल ने इरेज़र (रबर) से कहा, मुझे माफ़ कर दो
इरेज़र ने कहा, तुम ऐसा क्यों कह रहे हो
पेंसिल बोली, मेरे कारण तुम्हें बहुत कष्ट झेलना पड़ता है। जब भी मैं कोई गलती करती हूं तो तुम उसे सुधारने के लिए भागे आते हो। मेरी गलतियों के निशानों को मिटाते-मिटाते तुम्हें स्वंय का बलिदान देना पड़ता है। तुम छोटे और छोटे होते-होते स्वंय का अस्तित्व ही खो देते हो। इरेज़र ने कहा, तुम्हारा कहना उचित है मगर मुझे स्वंय का अस्तित्व खोने का कोई दुख नहीं है क्योंकि मेरा जन्म ही तुम्हारी गलतियों को सुधारने के लिए हुआ है। अगर मैं तुम्हारी गलतियों को नहीं मिटाता तो तुम्हारे पास मेरे जैसा कोई और आ जाएगा। मैं अपने जीवन से बहुत खुश हूं। मुझे कोई शिकायत नहीं है। मेरी चिंता मत करो। तुम्हारे चेहरे पर मायूसी अच्छी नहीं लगती।
पेंसिल और इरेज़र के इस संवाद से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमारे माता-पिता इरेज़र और बच्चे पेंसिल की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों की गलतियों को सुधारने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। माता-पिता को संतुष्ट करने वाले को परब्रह्म भी प्रसन्न रखते हैं। माता-पिता को कभी दु:खी न करें।
माता-पिता बच्चों के लिए बहुत कष्ट सहते हैं। बच्चों का बचपन अच्छा व्यतीत हो, उन्हें अच्छी शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए वे प्रयासरत रहते हैं परंतु कुछ बच्चे माता-पिता को पलटकर उत्तर देते हैं जिससे माता-पिता का मन दुखी होता है । बच्चों द्वारा पलटकर उत्तर देकर माता-पिता को दुःखी करना, ईश्वर को दु:खी करने के समान है। बच्चों इससे बचने के लिए माता-पिता से प्रेमपूर्वक व्यवहार करें तथा उनके प्रति कृतज्ञ रहें।
माता-पिता और बच्चों का व्यवहार सदैव मित्राचारी का होना चाहिए। यदि माता-पिता बच्चों के साथ डांट कर या मार कर व्यवहार करेंगे तो बच्चे निश्चित ही उनका कहा नहीं मानेंगे और गलत रास्ते पर चल पड़ेगें। माता-पिता के उच्च संस्कार ही घर में आनंद और शान्ति का माहौल बनाते हैं।

बनें स्मार्ट बागबान...

याद है, वो सर्द शाम की तल्खी दूर करने के लिए तुलसी की चाय पीना? या किसी ठिठुरती सुबह घर के बडे बुजुर्ग के हाथों भुने हुए आलू के जायके की सौगात मिलना? ताजी सब्जियों और ह?र्ब्स के बिना सर्दियों का मजा अधूरा है। लेकिन कई बार बाहर से खरीदी गई सब्जियां ताजी नहीं होतीं और कई बार महंगाई के चलते इन्हें खरीदना जेब पर भारी पडता है। ऐसे में क्यों न अपने घर के किसी कोने में ही किचन गार्डेन बना लिया जाए। थोडी सी मेहनत और टाइम मैनेजमेंट आपको आपकी पसंदीदा सब्जियां आसानी से उपलब्ध करा सकती है।

क्या उगाएं

किचन गार्डेनिंग करने के लिए सबसे पहले यह तय करें कि आपके किचन में किन सब्जियों और हर्ब्स की खपत सबसे ज्यादा है। मसलन, अगर आपके घर के ज्यादातर लोग कम तीखा खाना खाते हैं, तो मिर्च के पौधे लगाने का कोई फायदा नहीं है। घर पर उगाई जाने वाली सब्जियों में मुख्य तौर पर तीन श्रेणियां हैं। पहली है लीफी वेजटेबल्स जिनमें पत्तागोभी, पालक, धनिया, ब्रॉकली, लेट्यूस, जुकिनी आदि सब्जियां आती हैं, दूसरी है विभिन्न प्रजातियों की शिमला मिर्च, तीसरी है रूट वेजटेबल्स जैसे शलगम, चुकंदर, गाजर, मूली और चौथी हैं ह?र्ब्स जैसे करीपत्ता, पार्सले और तुलसी। जी हां बैंगन और हरी मिर्च के पौधे किसी भी मौसम में उगाए जा सकते हैं, वहीं हरी मटर और चेरी टमाटर जैसे पौधे सर्दियों में उगाना ज्यादा मुफीद रहता है।

स्पेस मैनेजमेंट

किचन गार्डेन के लिए जगह का सही चुनाव और इस्तेमाल भी अहम है। अगर आप अपर फ्लोर पर रहते हैं और बालकनी में किचन गार्डेन बनाना चाहते हैं, तो गमलों या प्लांटेशन ट्रे का साइज और संख्या जगह की उपलब्धता के हिसाब से चुनें। उदाहरण के तौर पर अगर आपकी बालकनी में 5/10 फीट की जगह खाली है, तो आप यहां 45/15 सेंमी के चार ट्रे तक लगा सकती हैं। कम जगह में ज्यादा पौधे लगाने की गलती न करें। वरना उन्हें जरूरी पोषण नहीं मिल पाएगा। एक और खास बात यह है कि किचन गार्डेन की लोकेशन के हिसाब से वहां की समस्याएं भी अलग होती हैं, जिनसे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। मसलन ग्राउंड फ्लोर के किचन गार्डेन में जानवरों और रोडेंट्स का खतरा होता है। इसी तरह बालकनी और टेरेस के किचन गार्डेन में मिट्टी के पोषक तत्व और धूप पर्याप्त मात्रा में न मिलने जैसी समस्याएं होती हैं। ऐसे में अगर आप ग्राउंड फ्लोर पर किचन गार्डेन बना रही हैं, तो फेंसिंग के पुख्ता इंतजाम करें। और बालकनी या टेरेस में किचन गार्डेन बना रही हैं, तो गमलों और प्लांटेशन ट्रेज को ऐसी दिशा में रखें कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा सूरज की रोशनी मिले।

ज्यादा देखभाल खतरनाक

पौधों की जरूरत से ज्यादा देखभाल करना भी कई बार खतरनाक साबित होता है। पौधों को दिन में दो बार पानी देना पर्याप्त है। जरूरत से ज्यादा पानी देने पर पौधों के गलने का खतरा रहता है। यही बात कीटनाशकों के इस्तेमाल पर भी लागू होती है। पत्तियों पर निशान होने का मतलब हमेशा यह नहीं होता कि उनमें कोई बीमारी पनप रही है। इसी तरह हर कीट पौधों को नुकसान पहुंचाने वाला ही नहीं होता। कई कीट पौधों के लिए लाभदायक भी होते हैं।

घरेलू नुस्खे आजमाएं

जिस तरह हम कोई बीमारी हो जाने पर पहले घरेलू नुस्खे आजमाते हैं, उसी तरह पौधों को कीडी लग जाने या बीमारी होने पर कुछ विशेष घरेलू नुस्खे बेहद कारगर साबित होते हैं। जैसे, पौधों में कीडे लग जाने पर नीम का तेल स्प्रे करने से फायदा होता है। पौधों में कोई बीमारी होने पर सबसे पहले उनमें हल्दी पाउडर डालें। कीडों से निजात पाने के लिए बीटी पाउडर भी डाल सकते हैं।

गलत सलाह से बचें

बागबानी का सामान बेचने वाले अकसर ज्यादा मात्रा में उत्पाद बेचने के लालच में लोगों को गलत जानकारी दे देते हैं। पौधों की किसी बीमारी का उपचार करने के लिए अगर केमिकल कीटनाशक का इस्तेमाल जरूरी हो तो विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। अगर विशेषज्ञ ने एक लीटर पानी में दो एमएल दवा डालने को कहा है, तो इसी अनुपात में पौधों में दवा डालें। रोग जल्दी ठीक करने के चक्कर में एक लीटर पानी में दस एमएल दवा न डाल दें क्योंकि यह पौधे से उपजने वाली सब्जियों को हानिकारक बना देगा।

फटाफट टिप्स

- अगर आपने पहली बार किचन गार्डेन बनाया है और आपके लगाए 8-10 में से 4-5 पौधे ही जिंदा रहें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपमें लगन होगी तो साल दर साल आपकी बगिया के पौधों की संख्या बढती ही जाएगी।
- सर्दियों के मौसम में बीजों के रोपण का सही समय 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होता है। वहीं अगर नर्सरी से पौधे लाकर लगा रही हैं, तो 15 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच का समय उपयुक्त है।
- खाद देना बागबानी का एक अहम पहलू है। खाद हमेशा 3:1 के अनुपात में डालें। यानी तीन हिस्सा मिट्टी पर एक हिस्सा खाद।

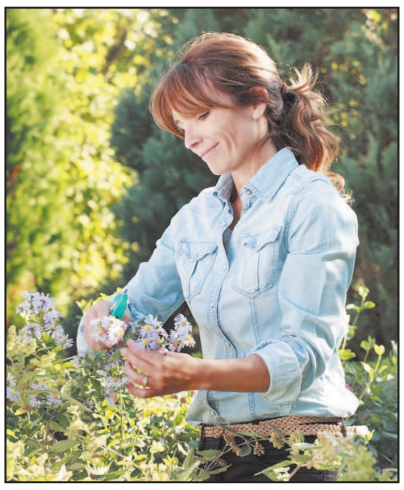

मशरूम वॉलवॉ

1-2 व्यक्तियों के लिए

सामग्री - 250 ग्राम मशरूम कटा हुआ, 50 ग्राम प्याज बारीक कटा हुआ, 50 ग्राम लीक्स बारीक कटी हुई, 50 ग्राम सेलरी बारीक कटी हुई, 50 ग्राम गाजर बारीक कटी हुई, 50 ग्राम गाजर बारीक कटी हुई, पार्मेजान चीज कसा हुआ, 100 मिली. क्रीम, 2 पफ पेस्ट्री वॉलवॉ, 2 डंडियां पार्सले, स्वादानुसार नमक व काली मिर्च पाउडर।

विधि - 1. एक पैन में सब्जियां डालकर भूनें। नमक, काली मिर्च व क्रीम डालकर नर्म होने तक पकाएं, लेकिन सूखने न पाए। 2. अब पार्मेजान चीज और पार्सले मिलाएं। 3. पफ पेस्ट्री को सुनहरा होने तक बेक करें। 4. अब पफ पेस्ट्री में मशरूम मिश्रण मिलाकर अवन में कुछ देर पकाएं। गरमागरम सर्व करें।

एपल मफिन

4-5 व्यक्तियों के लिए

सामग्री - 100 ग्राम सेब, 400 ग्राम मैदा, 80 ग्राम बादाम पाउडर, 400 ग्राम दही, 200 ग्राम तेल, 10 ग्राम सोडा, 400 ग्राम चीनी

विधि - 1. सेब को छीलकर बारीक काट लें। 2. फिर इसे शेष सामग्री के साथ मिलाकर मफिन कप में डालें। 3. अब 80 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म अवन में 25-30 मिनट तक बेक करें।

थोड़ा सा रुमानी हो जाएं

मानव स्वभाव है कि उसे हमेशा कुछ नया और एक्साइटिंग चाहिए। जीवन में नीरसता न आए, इसके लिए वह हमेशा कुछ नया ढूंढता है। सेक्स संबंधों के लिए भी यही बात कही जा सकती है। थोडे से बदलाव रिश्तों में नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं।

अब वो बात नहीं रही..जिंदगी से जैसे रोमैंस गायब हो गया है..क्या करूं मूड ही नहीं होता..लाइफ बडी बोर हो गई है..। शादी के कुछ वर्ष बाद लाइफ को लेकर अमूमन लोगों की शिकायतें कुछ ऐसी ही होती हैं। यूं तो इसके कई कारण हो सकते हैं, मगर सबसे बडा कारण है- सेक्स संबंधों का रुटीन बन जाना। हम सभी जीवन के हर पहलू को बेहतर बनाने की कोशिशें करते हैं, लेकिन वैवाहिक जीवन को अच्छा और नया बनाने की कोशिशें थोडी कम होती हैं।
मानव स्वभाव है कि उसे हमेशा कुछ नया और एक्साइटिंग चाहिए। जीवन में नीरसता न आए, इसके लिए वह हमेशा कुछ नया ढूंढता है। सेक्स संबंधों के लिए भी यही बात कही जा सकती है। थोडे से बदलाव रिश्तों में नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं। इसके लिए न तो किसी हनीमून डेस्टिनेशन पर जाने की जरूरत है, न अनाप-शनाप पैसे खर्च करने की। बस अपने अंतरंग पलों को थोडा रोमैंटिक टच दें और अपने सेक्स जीवन में कुछ प्रयोग करें। सदाबहार रोमैंस का ख्वाब कैसे होगा पूरा, बता रही है सखी।

स्वाद की फैंटसी

कहते हैं, दिल का रास्ता पेट से होकर जाता है। (यकीन न हो तो फिल्म द लंच बॉक्स देख लें) स्वाद का संबंध पेट से ज्यादा ब्रेन से होता है। कुछ ऐसे स्वाद हैं, जो प्यार को गहराई देने में असरदार हैं। मूड बनाने के लिए डार्क चॉकलेट्स, स्ट्रॉबैरीज, ब्ल्यूबैरीज के गुणगान यूं ही नहीं होते। ऐसे कुछ शोध भी हुए हैं जो बताते हैं कि डार्क चॉकलेट का एक छोटा सा पीस रोज खाने से लो लिबिडो जैसी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा कार्ब और प्रोटीन की संतुलित डाइट, हरी पत्तेदार सब्जियां, ड्राइ फ्रूट्स भी सेक्स डिजायर्स को बढाने में सहायक हैं। सेक्स एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अच्छे सेक्स संबंधों के लिए अच्छी डाइट भी जरूरी है।

हॉट रेड

क्या आपने कभी सोचा है कि दुलहन हमेशा लाल जोडा क्यों पहनती है? दरअसल यह रंग प्रेम, ऊर्जा, जोश व युवावस्था का प्रतीक है। यह व्यक्तित्व को आकर्षक बनाता है। यूएस की रोचेस्टर यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि पुरुष लाल रंग के प्रति ज्यादा आकर्षित होते हैं। जर्नल ऑफ पर्सनैलिटी एंड सोशल साइकोलॉजी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार अधिकतर पुरुषों ने माना कि वे पार्टनर को हॉट रेड में देखना चाहते हैं। पार्टनर का मूड बनाना हो तो बेडरूम में खूबसूरत रेड नाइट वेयर जरूर रखें।

इरॉटिक साहित्य

वास्तु-विशेषज्ञ और एक्सपर्ट्स कहते हैं कि बेडरूम में टीवी न रखें। मगर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि बेडसाइड टेबल पर इरॉटिका लिटरेचर हो तो रोमैंस की संभावना बढ जाती है। एक साइकोथेरेपिस्ट मानती हैं कि घरेलू कार्यो, ऑफिस वर्कलोड और पेरेंटिंग के बीच पिसते आधुनिक दंपतियों के जीवन से सेक्स संबंध गायब होते जा रहे हैं। इसलिए उन्हें अपनी सेक्सुअल डिजायर्स को जगाने के लिए कुछ प्रॉप्स चाहिए। वह कहती हैं, इरॉटिक लिटरेचर के कुछ अंश पढने और पार्टनर को पढाने से बाहरी दबाव कम होता है और मूड बनता है। सेक्स के बारे में गंभीर और ईमानदार बातचीत के लिए मधुर संगीत और किताबों से बडा ल्युब्रिकेंट और कुछ नहीं है। यह अंतरंग रिश्तों को मजबूत बनाता है। एक-दूसरे से सेक्सुअल डिजायर्स बांटने का भी यह बेहतरीन तरीका है। तो देर न करें, अगर अभी तक अल्ट्रा पॉपुलर बुक फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे नहीं पढी है तो खरीद लें।

खुशबू सी कोई महके

अपने नाइटस्टैंड में सेंटेड ऑयल्स और क्रीम्स रखें। बेडरूम में सेंसुअस मसाज के महत्व को न नकारें। भीनी-भीनी खुशबू के लिए अरोमा कैंडल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये मन को खुश करने वाले हॉर्मोस पैदा करती हैं। लिबिडो बूस्टिंग सेंट्स से इच्छाएं जगाने में मदद मिलती है। लेवेंडर-जैसमीन भी मन को सुकून देते हैं। वनिला, रोज या जिरेनियम का प्रयोग भी कर सकते हैं।

रोमैंटिक कॉर्नर

बेडरूम में रोमैंटिक कॉर्नर क्यों? इसका जवाब है, क्योंकि कभी-कभी सेक्स के इतर भी कुछ चाहिए। रोमैंस के कुछ ऐसे पल जो बॉण्डिंग मजबूत करें। बेडरूम में स्टाइलिश लवसीट या आर्मचेयर जरूर रखें और फुर्सत में अपने इस रोमैंटिक कॉर्नर का मजा लें। चाहे गपशप करें या फिर यूं ही खामोशी का आनंद लें पुराने दिनों की तरह। ..बेडरूम के माहौल को खूबसूरत बनाएं। दिन भर की थकान मिटेगी और मूड अच्छा होगा। थोडा सा रूमानी हो जाएं, फिर देखें इश्क का जादू कैसे सिर चढ कर बोलता है।

जगाएं मखमली एहसास

बेडरूम का माहौल मूड बनाने में मददगार होता है। इंटीमेसी के लिए यहां कुछ ऐसी चीजें जरूर होनी चाहिए, जो मूड-बूस्टर का काम करें। कलर स्कीम ऐसी हो, जो सेक्सुअल डिजायर्स जगाने में मददगार हो। पर्सनल स्पेस को क्लटर-फ्री रखें। बेडरूम में टीवी या मिरर्स हों तो उन्हें कवर करें। ऑफिस फाइल्स यहां न रखें। इसके बजाय कुछ यादगार तसवीरें रखें। रोमैंटिक पेंटिंग्स या फोटो फ्रेम्स भी रख सकते हैं। बाहर का शोर और रोशनी भीतर न आए, इसके लिए कमरे को साउंडप्रूफ बना सकते हैं या पर्दे थोडे हेवी लें। मेट्रेसेज सॉफ्ट हों और सैटिन की शीट्स हों, ताकि कुछ मखमली एहसास जग सकें।

देश में वर्ष 2024 में 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ेगी ऑफिस स्पेस की मांग

मुंबई । वैश्विक स्तर पर सुस्ती होने के बावजूद देश में अगले साल ऑफिस स्पेस की मांग बढ़ने की उम्मीद है। वर्ष 2024 में ऑफिस मांग में 20 से 22 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। इस साल ऑफिस की मांग पिछले साल के बराबर रह सकती है और यह 2017-19 के दौरान औसत मांग को पार कर सकती है। अइस साल ऑफिस की मांग बढ़कर 370 से 390 लाख वर्ग फुट होने का अनुमान है। एक संपत्ति सलाहकार फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी-सितंबर अवधि में ऑफिस स्पेस की मांग 260 लाख वर्गफुट दर्ज की गई, जो पिछले साल की कुल मांग का 68 फीसदी है। साल के आखिर तक मांग बढ़कर 370 से 390 लाख वर्गफुट हो सकती है क्योंकि इस साल की आखिरी तिमाही में ऑफिस पट्टे पर लेने की गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है। देश के 7 प्रमुख ऑफिस मार्केट में इस साल के आखिर तक ऑफिस स्पेस बढ़कर 80 करोड़ वर्गफुट तक पहुंच सकता है। अभी यह आंकडा 79.28 करोड़ वर्गफुट है। अगले साल ऑफिस की मांग और जोर पकड़ सकती है क्योंकि देश में ऑफिस मांग के फंडामेंटल काफी मजबूत हैं और वैश्विक तनाव का खास असर देश में नहीं दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2024 में ऑफिस की मांग 450 से 470 लाख वर्ग फुट रह सकती है। इसमें वर्ष 2023 की तुलना में 20 से 22 फीसदी बढ़ोतरी होने का अनुमान है क्योंकि अब हाइब्रिड मॉडल के साथ ऑफिस आकर काम करने को पहली प्राथमिकता दी जाने लगी है।

एम्मार इंडिया गुरुग्राम में लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करेगी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी एम्मार इंडिया अपनी योजनाओं का विस्तार करने के लिए गुरुग्राम में अगले चार साल में लग्जरी आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के लिए 900 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने यह जानकारी दी। दुबई की एम्मार प्रॉपर्टीज की इकाई एम्मार इंडिया ने गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर सेक्टर-62 में स्थित आवास परियोजना अर्बन ओएसिस में 424 लग्जरी आवास पहले ही बेच दिए हैं। एम्मार इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमने लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद एक आवासीय परियोजना शुरू की। बाजार से मिली प्रतिक्रिया से हम खुश हैं। एम्मार इंडिया ने पहले चरण में पेश सभी 424 फ्लैट 1,723 करोड़ रुपए में बेच दिए हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम सहित सभी प्रमुख शहरों में लक्जरी घरों की मांग बहुत मजबूत है। परियोजना लागत के बारे में पूछे जाने पर चक्रवर्ती ने कहा कि जमीन की लागत को छोड़कर यह लगभग 900 करोड़ रुपए होगी।

रुपया सात पैसे बढ़कर 82.96 प्रति डॉलर

मुंबई । रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे की बढ़त के साथ 82.96 पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों का कहना है` कि वैश्विक बाजारों में अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी कोषों के निरंतर प्रवाह से निवेशकों की धारणा को बल मिला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजारों में नरम रुख ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ 82.97 पर खुला। इसके बाद उसने 82.95 से 83.02 प्रति डॉलर के बीच कारोबार किया। रुपया शुरुआती सौदों के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.96 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.03 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.10 पर रहा।

सोना 62 हजार से नीचे, चांदी भी सुस्त

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह बाजार में सोने के वायदा भाव मामूली तेजी के साथ खुले लेकिन बाद में भाव में सुस्ती देखी जाने लगी। सोमवार को चांदी के वायदा भाव पिछले बंद भाव पर ही खुले और यह 74,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि सोने के वायदा भाव अब गिरकर 62 हजार रुपये से नीचे कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 1 रुपये की तेजी के साथ 62,193 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 215 रुपये की गिरावट के साथ 61,977 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सपाट रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट सोमवार को पिछले बंद भाव 74,525 रुपये के भाव पर ही खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 56 रुपये की गिरावट के साथ 74,469 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्ती के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव में

सुधार देखा जाने लगा। कॉमेक्स पर सोना 20,33.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,035.70 डॉलर था। फिलहाल यह 0.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,036.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.12 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.15 डॉलर था। फिलहाल यह 0.06 डॉलर तेजी के साथ 24.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जीईईएल के शेयरों में गिरावट, 4 फीसदी तक लुढ़के शेयर

मुंबई । जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस (जीईईएल) और सोनी पिक्चर्स के प्रस्तावित विलय में अभी और समय लग सकता है। दरअसर, जी ने इस प्रस्तावित विलय को लेकर और वक्त मांगा है। विलय में देरी की खबर के बाद से ही सोमवार 18 दिसंबर को जी एंटरटेनमेंट के शेयर लुढ़क गए। शुरुआती कारोबार में ही शेयर 4 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आया। वहीं सुबह जी एंटरटेनमेंट का शेयर गिरावट के साथ बीएसई पर 270.15 रुपये पर खुला। तुरंत ही इसने पिछले बंद भाव से 4 प्रतिशत लुढ़का और 266.05 रुपये पर आ गया। हालांकि थोड़ी देर बार यह संभला और करीब 275 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। बता दें, एक दिन पहले ही ये खबर सामने आई थी कि जी एंटरटेनमेंट ने कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट के साथ अपने प्रस्तावित विलय की समय सीमा को बढ़ाने के लिए कहा है, पहले यह 21 दिसंबर 2023 तय थी।

डाउन हुई एनएसई इंडिया की वेबसाइट

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार एनएसई इंडिया के लिए दिन की शुरुआत ठीक नहीं रही है। सोमवार को कारोबार के शुरुआती घंटों में एनएसई इंडिया की वेबसाइट डाउन हो गई, जिससे कई यूजर ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। एक यूजर ने लिखा कि जब भी बाजार में काफी उथल-पुथल होती है, एनएसई इंडिया काम करना बंद कर देता है। यूजर ने दावा किया कि एनएसई इंडिया की वेबसाइट शेयर बाजार के ओपन होने के बाद से ही एरर शो कर रही है। वहीं एक अन्य यूजर ने भी इसी तरह की आपत्ति व्यक्त की। यूजर ने नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि इस तरह से बड़े प्लेयर्स को पोजिशन एडजस्ट करने का समय मिल जाता है। गौरतलब है कि शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। एशियाई बाजारों के कमजोर रुख का असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बीएसई वाला 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 341.46 अंक गिरकर 71,142.29 पर आ गया। निफ्टी 65.30 अंक फिसलकर 21,391.35 पर रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नुकसान में रहे। सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे।

ओला ने 140 करोड़ से ज्यादा भारतीयों के लिए भारत का अपना बहुभाषी एआई, कृत्रिम पेश किया

बैंगलुरू, भारत: संपूर्ण एआई कंप्यूटिंग स्टैक बनाने पर केंद्रित भारत की अपनी और पहली एआई कंपनी, कृत्रिम ने आज अपना बेस लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) पेश किया। सभी भाषाओं में इसकी जनरेटिव एआई एप्लीकेशंस द्वारा इसके प्रशिक्षण के लिए भारतीय डेटा का सबसे विशाल प्रतिनिधित्व हो सकेगा। बैंगलोर और सैन फ्रांसिस्को में स्थित अग्रणी कंप्यूटर वैज्ञानिकों की टीम द्वारा प्रशिक्षित इस मॉडल द्वारा कृत्रिम के संवादपूर्ण एआई असिस्टैंट विभिन्न भारतीय भाषाओं को समझकर धाराप्रवाह में उन्हें बोल भी सकेंगे।

कृत्रिम के संस्थापक, भाविश अग्रवाल ने कहा, ``विकसित भारत का सपना पूरा करने और अगले 25 सालों के लिए एआई में नेतृत्व करने का समय आ गया है। एआई अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति का भविष्य निर्धारित करने वाला है। हम भारत का पहला संपूर्ण एआई कंप्यूटिंग स्टैक, कृत्रिम लॉन्च करने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जो हमारे अनोखे सांस्कृतिक संदर्भ को समझता है, और हमारी मौलिकता से हमारे भविष्य को जोड़ता है। भारत पर केंद्रित लागत संरचना के साथ कृत्रिम में भारतीय डेटा का सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व होगा, जिससे हम विभिन्न सेक्टर्स में एलएलएम से आगे बढ़कर नॉवेल मॉडल बना सकेंगे, और भारत को विश्व की सबसे ज्यादा उत्पादक, प्रभावशाली एवं

सशक्त अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी।''

ओला कृत्रिम लार्ज लैंग्वेज़ मॉडलों की फैमिली है, जिसमें कृत्रिम बेस और कृत्रिम प्रो शामिल हैं, जिनमें मल्टीमोडल, विशाल ज्ञान की क्षमताएं और अनुमान के लिए कई अन्य तकनीकी प्रगतियाँ शामिल होंगी। 2 ट्रिलियन से ज्यादा टोकन पर प्रशिक्षित कृत्रिम एमएमएलयू, हेलास्वैग, बीबीएच, पीआईक्यूए, और एआरसी जैसे विभिन्न मशहूर वैश्विक, एलएलएम मूल्यांकन मानकों पर बेहतर परफॉर्मेंस प्राप्त करता है।

ओला कृत्रिम मॉडल विभिन्न भाषाओं में आसानी से स्विच कर सकता है और विभिन्न गहन विषयों पर बात कर सकता है, जिनमें बंगाली में कविता से लेकर बॉलिवुड फिल्मों, और स्वादिष्ट मसाला डोसा की रेसिपी तक सभी बातें शामिल हैं। कृत्रिम जनवरी, 2024 से विभिन्न भारतीय भाषाओं में बात करने वाले एआई-संचालित असिस्टैंट बनाने के इच्छुक उद्यमों और डेवलपर्स के लिए बीटा वर्ज़न में एपीआई के रूप में उपलब्ध होगा। कृत्रिम प्रो वित्तवर्ष 2024 की चौथी तिमाही में उपलब्ध हो जाएगा।

ओला कृत्रिम के बेहतर भाषाई कौशल के साथ यह शिक्षा से लेकर व्यवसायिक संचार तक अनेक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण टूल बन जाएगा। इसमें अनुचित प्रतिक्रियाओं को कम करने के लिए सुरक्षित एआई में लेटेस्ट तकनीकों को शामिल किया गया है। कंपनी सर्वर-कंप्यूटिंग, एज-कंप्यूटिंग और सुपर-कंप्यूटर्स तथा स्वदेशी डेटा सेंटरों के विकास के लिए एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी काम कर रही है। इनके प्रोटोटाईप का उत्पादन 2024 के मध्य शुरू कर दिया जाएगा और प्रोडक्शन रोडमैप 2025 के अंत तक पेश कर दिया जाएगा।

कंपनी आज से जनवरी 2024 तक वेबसाईट पर एक साईन अप पेज द्वारा अरली एक्सेस प्रोग्राम चला रही है। इसके अलावा, इसकी ओपन रिलीज़ जनवरी, 2024 में शुरू होगी, और ओपन एपीआई सभी डेवलपर्स को फरवरी, 2024 में उपलब्ध हो जाएंगे। ओला सेल, सर्विस, सपोर्ट और अन्य प्रक्रियाओं के लिए अपनी ग्रुप कंपनियों में कृत्रिम का उपयोग करने की योजना भी बना रहा है।

बंगाल का राजस्व जीएसडीपी प्रतिशत मामले में राष्ट्रीय औसत से पीछेः आरबीआई

- बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकार का वर्तमान खर्च केवल दो प्रतिशत है

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल के वित्त पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया निष्कर्षों के अनुसार राज्य के स्वयं के राजस्व या सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) प्रतिशत के मामले में राज्य राष्ट्रीय औसत से पीछे है। आरबीआई के निष्कर्षों के अनुसार राज्य के स्वयं के कर राजस्व और गैर-कर राजस्व दोनों के मामले में पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय औसत से पीछे है। इसके अनुसार पश्चिम बंगाल के लिए जीएसडीपी में राज्य के स्वयं के कर राजस्व का केवल पांच प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत सात प्रतिशत से कम है। पश्चिम बंगाल के संबंध में गैर-कर राजस्व के मामले में स्थिति अधिक दयनीय है। निष्कर्षों के अनुसार पश्चिम बंगाल के जीएसडीपी में राज्य के गैर-कर राजस्व का प्रतिशत केवल 0.4 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत 1.2 प्रतिशत से कम है। आरबीआई के

निष्कर्षों के अनुसार जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकार का वर्तमान खर्च केवल दो प्रतिशत है। अर्थशास्त्रियों का कहना है` कि इस कारक का अनुसरण पश्चिम बंगाल में राज्य उत्पाद शुल्क पर भारी निर्भर राज्य की अपनी कर राजस्व संरचना का नतीजा है। उनके अनुसार किसी भी राज्य का अपना कर राजस्व घटक विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों में बड़े निवेश पर निर्भर करता है। यह वही क्षेत्र है, जहां पश्चिम बंगाल अन्य प्रमुख राज्यों से पिछड़ा हुआ है और अर्थशास्त्रियों की राय है कि भूमि खरीद और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) का दर्जा देने के संबंध में राज्य की आंतरिक नीतियां निवेश के मामले में बड़े पैमाने पर सूखे के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि पश्चिम बंगाल सरकार की उद्योग के लिए भूमि खरीद में राज्य की कोई भूमिका नहीं नीति के कारण विनिर्माण क्षेत्र के संचालक राज्य में निवेश करने से विमुख हो रहे हैं।

अंबुजा सीमेंट रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स में 6,000 करोड़ निवेश करेगी

मुंबई ।

सीमेंट के क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक अंबुजा सीमेंट रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स में 6,000 करोड़ का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि निवेश को आंतरिक रूप से वित्त पोषित किया जाएगा और गुजरात और राजस्थान में सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से 1,000 मेगावाट की क्षमता हासिल करने की उम्मीद है। हालांकि कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में फंडिंग प्रक्रिया के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। अदाणी ग्रुप के स्वामित्व वाली कंपनी ने कहा कि सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा परियोजनाओं से कैपेसिटी वित्त वर्ष 2026 तक हासिल कर ली जाएगी और इसकी मौजूदा कैपेसिटी 84 मेगावाट बढ़ जाएगी। इसमें कहा गया है कि इन परियोजनाओं से कंपनी की कुल ग्रीन एनर्जी कैपेसिटी मौजूदा 19 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी। इस महीने की शुरुआत में अंबुजा सीमेंट्स ने 5,185 करोड़ रुपये में सांघी इंडस्ट्रीज में बहुमत हिस्सेदारी हासिल कर ली। पिछले महीने बड़े प्रतिद्वंद्वी अल्ट्राटेक सीमेंट ने कहा था कि वह 5,379 करोड़ रुपये के ऑल-स्टॉक डील में केसोराम इंडस्ट्रीज के सीमेंट कारोबार का अधिग्रहण करेगी।

गुजरात सरकार ने मत्स्य उत्पादन बढ़ाने आधुनिक प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल पर दिया जोर

- वर्तमान में भारत के कुल मछली निर्यात में राज्य का योगदान 17 प्रतिशत है

अहमदाबाद ।

गुजरात सरकार ने अब मछली पकड़ने वाले अपने पारंपरिक समुदाय से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की क्षमता का दोहन करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने का आग्रह किया है, जिससे उसकी मत्स्य पालन क्षेत्र में क्षमता बढ़ाने में वृद्धि की अपार संभावनाएं उत्पन्न होंगी। गांधीनगर में 10 से 12 जनवरी 2024 को आयोजित होने वाले वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 10वें संस्करण से इस उद्योग को और समर्थन मिलने की उम्मीद है। द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन व्यवसायों तथा सरकारों के लिए निवेश के अवसरों की पहचान करने और साझेदारी स्थापित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने हाल ही में यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा` कि गुजरात की सबसे लंबी करीब 1,600 किलोमीटर की तटरेखा है। यह मछली उत्पादन में सबसे आगे है। आज गुजरात 5,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का मछली निर्यात कर रहा है, जिससे भारत के कुल मछली निर्यात में राज्य का योगदान 17 प्रतिशत हो गया है। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सागर खेडू सर्वंगी विकास योजना शुरू की जो बेहद सफल रही। आज गुजरात की नीली अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अधिकारियों और मछली पकड़ने वाले समुदाय के सदस्यों ने कहा कि उद्योग मछली पकड़ने से लेकर प्रसंस्करण तक, रोजगार सृजन करने और राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्य सरकार के अनुसार, गुजरात में एक मछुआरा परिवार की औसत वार्षिक आय पिछले पांच वर्षों में 6.56 लाख रुपये से बढ़कर 10.89 लाख रुपये हो गई है। राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, मशीनी नाव पारंपरिक नौकाओं से कहीं अधिक हैं। पारंपरिक नौकाओं की संख्या 8,625 और मशीनी नाव की 28,355 हैं।

मप्र में सस्ता हुआ पेट्रोल, झारखण्ड में बढ़ी कीमतें

-ब्रेंट क्रूड 77.29 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हुई दिख रही हैं। सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 72.11 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 77.29 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। सोमवार को मध्य प्रदेश में पेट्रोल 38 पैसे और डीजल 34 पैसे सस्ता हुआ है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 49 पैसे नीचे आ गया है। हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। इसके अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना में कीमतें गिरी हैं। दूसरी ओर झारखण्ड में पेट्रोल और डीजल 22 पैसे महंगा हो गया है। गुजरात, पंजाब, तमिलनाडु और और पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में हल्की तेजी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.77 रुपये और डीजल 94.37 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये

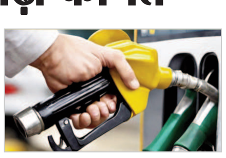

प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.36 रुपये और डीजल 89.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.74 रुपये और डीजल 94.51 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सोहा अली खान ठंड के मौसम में अपनी स्किन को हेल्दी बनाए रखने के लिए खाती हैं ये 3 चीजें

"सर्दियां आ गई है!" और यह साल का वो समय है जब हममें से अधिकतर लोग त्वचा की समस्याओं का सामना करते हैं। यह मौसम हमारी त्वचा के लिये काफी नुकसानदायक हो सकता है। ठंड के मौसम में नमी की कमी के कारण त्वचा में रुखापन, खुजली और जलन की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे समय में, अपनी त्वचा का ज्यादा ख्याल रखना बहुत जरूरी हो जाता है। सर्दियों में त्वचा को रूखा होने से बचाने और इस पूरे मौसम में स्किन को नम एवं कोमल बनाये रखने के लिए कई आसान तरीके हैं। इनमें अपने दैनिक आहार में बदलाव करना भी शामिल है। सर्दियों के दौरान अपनी त्वचा की देखभाल के लिये बॉलीवुड प्रमुख अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी डाइट में तीन चीजों को अवश्य शामिल करती हैं। ये तीनों फूड सर्दियों के दौरान उनकी त्वचा की पूरी तरह देखभाल करते हैं:

बादाम:- 'जैसा खाए तन, वैसा हो मन' यानी आप जो खाते हैं, वैसे ही होते हैं', इस कहावत पर मुझे पूरा यकीन है। मेरा दिन एक मुट्ठी बादाम से शुरू होता है और मैं इसी आदत के साथ पली-बढ़ी हूँ। बादाम मेरी त्वचा की सेहत को बनाये रखने में मदद करती हैं, क्योंकि इनमें सेहतमंद फैट्स और विटामिन ई होता है। और यह दोनों चीजें त्वचा के लिए फायदेमंद होती हैं, यह बात साबित भी हो चुकी है। इसके अलावा मैंने आयुर्वेद, सिद्धा और यूनानी लेख भी पढ़े हैं, जो कहते हैं कि बादाम त्वचा की सेहत के लिये अच्छी होती हैं और त्वचा की चमक बढ़ा सकती हैं। मेरी सलाह है कि सभी को अपनी खूबसूरती बढ़ाने के लिए रोजाना बादाम खाने की आदत डालनी चाहिये। चाहे आप घर पर हों, काम कर रहे हों या सफर में हों, बादाम कभी भी खाई जा सकती हैं। बादाम की सबसे अच्छी बात यह है कि उन्हें रोस्ट करके या फ्लेवर्ड रूप में भी खाया जा सकता है!

चुकंदर का जूस :- मुझे खासतौर से सर्दियों में चुकंदर का जूस पीना पसंद है, क्योंकि इससे मेरी स्किन की चमक बढ़ती है। अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण यह कील-मुंहासे होने से रोकने में मदद भी करता है। मुझे चुकंदर को करी के तौर पर खाने से ज्यादा उसका कोल्ड-प्रेस्ड जूस पीना पसंद है, क्योंकि यह न्यूट्रीयेन्ट्स और फाइबर को बनाये रखने में मदद करता है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होता है, इसलिये मेरी त्वचा की नमी बनाये रखने में भी मदद करता है। चुकंदर का जूस पीने और पूरे दिन हाइड्रेटेड रहने से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद मिलती है और मुझे ताजगी का एहसास होता है।

ज़ेटवर्क एनटीपीसी आरईएल के भुज सोलर प्रोजेक्ट को आपूर्ति करेगा सोलर पीवी मॉड्यूल की

ZETWERK
MAXIMIZE MANUFACTURING

कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग के लिए दुनिया के जानेमाने मैनेज्ड बाज़ार ज़ेटवर्क मैन्युफैक्चरिंग ने भुज सोलर प्रॉजेक्ट के लिए लगभग 375 मेगावाटपी के सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल की आपूर्ति करने के लिए एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। एनटीपीसी देश की सबसे बड़ी बिजली कंपनी है। यह भारतीय केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में काम करती है, जो कई राज्यों को बिजली देती है।

एनटीपीसी ने ज़ेटवर्क को जो अनुबंध दिया है, उसमें ज़रूरी पुर्जों के अलावा 375 मेगावाटपी के सोलर पीवी मॉड्यूल का विनिर्माण और वितरण शामिल होगा।

ज़ेटवर्क के बिजनेस हेड अभय आद्या ने कहा, च्च्ज़ेटवर्क की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला दुरूस्त, स्वच्छ, हरित विनिर्माण करती है। भारत के नवीकरणीय ऊर्जा मिशन में योगदान करने के लिए मिले इस अवसर और हमारी क्षमताओं में एनटीपीसी रिन्यूएबल लिमिटेड के विश्वास दिखाने के लिए हम आभारी हैं। हम इस अहम प्रोजेक्ट को तेजी से और पूरी विश्वसनीयता के साथ समर्थन देने के लिए तैयार हैं।

ज़ेटवर्क सोलर, पवन और तेल तथा गैस जैसे क्षेत्रों में एनर्जी प्रोजेक्ट के सबसे बड़े सप्लायर में से एक है। इसकी लम्बाकार एकीकृत सोलर विनिर्माण सेवाएं अग्रणी टर्नकी डेवलपर्स और निर्माताओं के लिए जोखिम को कम करती हैं और साथ ही लागत प्रभावशीलता भी बढ़ाती हैं। ज़ेटवर्क भारत और अमेरिका में कारखानों के माध्यम से सौर ईपीसी और प्रमुख सौर ट्रैकर ओईएम के लिए स्टील घटकों का निर्माण करता है। ज़ेटवर्क ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कई भारतीय और बहुराष्ट्रीय फॉर्च्यून 500 कंपनियों से कई ऑर्डर भी जीते हैं।

दुबई में आज होगी आईपीएल नीलामी , 10 टीमें भाग लेंगी

119 विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल 333 खिलाड़ी शामिल

दुबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 वें सत्र के लिए मंगलवार को दुबई में नीलामी होगी। ये पहली बार है जब विदेश में आईपीएल नीलामी होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इस नीलामी में 10 टीमें शामिल होंगी। इसमें 333 खिलाड़ी और 77 स्लॉट रखे गये हैं। इस साल की नीलामी के लिए कुल 1166 खिलाड़ियों ने अपना पंजीकरण कराया था जिसमें से 333 नामों को अंतिम रुप से शामिल किया गया है। इसमें 214 भारतीय और 119 विदेशी खिलाड़ी हैं। वहीं 116 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि 215 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। दो खिलाड़ी एसोसिएट देशों के भी हैं। इस नीलामी के जरिए 10 टीमों में कुल 77 खिलाड़ी हैं। वहीं 30 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित किया गा गया हैं। इस बार होने वाली नीलामी छोटी रहेगी। गुजरात के पास सबसे अधिक 38.15 करोड़ रूपए है, ऐसे में उन्हें नीलामी में उन्हें दो विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल आठ खिलाड़ियों को टीम में शामिल करना है। आईपीएल की दूसरी सबसे नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के पास 13.15 करोड़ रूपये है और उसे दो विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल छह खिलाड़ियों को रखना है। इस नीलामी में अधिकतम 262.95 करोड़ रूपये खर्च किए जा सकते हैं। 333 खिलाड़ियों को 19 अलग-अलग समूहों में बांटा गया है, जिसमें बल्लेबाज, ऑलराउंडर, तेज गेंदबाज, स्पिनर, विकेटकीपर के समूह और कैप्ड (अनुभवी) व अनकैप्ड (गैरअनुभवी) खिलाड़ियों के समूह शामिल हैं। इसमें 23 खिलाड़ियों के अधिकतम दो करोड़ के आधार मूल्य वाले समूह हैं। इसमें मिचेल स्टार्क, ट्रैविस हेड, उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा 13 खिलाड़ियों का अपना आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपए है।

वहीं इंग्लैंड के बेन स्टोक्स, जो रूट और जोफ्रा आर्चर इस सत्र के लिए शामिल नहीं हैं जबकि केदार जाधव, लिटन दास और शाकिब अल हसन का भी नाम नीलामी सूची में नहीं है। इस सूची में स्टार्क का सबसे ऊपर है। वह आठ साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे हैं ऐसे में उनपर सभी टीमों बड़ी रकम लगा सकती हैं। वहीं कीवी बल्लेबाज रचिन रविंद्र का आधार मूल्य 50 लाख है, लेकिन उनके लिए इससे कई गुना अधिक की बोली लग सकती हैं। युव भारतीय खिलाड़ी शार्दुल ठाकुर, हर्षल पटेल और शाहरूख खान का नाम भी इस सूची में शामिल किया जा सकता सकता है। अर्शीन कुलकर्णी, कुमार कुशाग्र, मुशीर खान, समीर रिजवी और कुछ अन्य युवा अनकैप्ड चेहरे इस नीलामी में हो सकते हैं।

अभी एक साल और टेस्ट प्रारुप खेल सकते हैं वार्नर : हीली

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज इयान हीली का मानना है कि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अभी एक साल और खेल सकते हैं। हीली के अनुसार वार्नर ने जिस प्रकार पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाया था। उसको देखकर अंदाजा होता है कि वह एक और साल तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में वार्नर ने 211 गेंदों पर 164 रन बनाये थे। इससे ऑस्ट्रेलिया ने 360 रन से जीत हासिल की। सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर इस सीरीज का आखिरी मैच खेलने के बाद वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे।

हीली ने कहा, 'मुझे उसके बारे में जो बात पसंद है वह है उसका लगातार खेलने के बाद भी अपनी फिटनेस बनाये रखना। हम सभी जानते हैं कि वह कितना फिट है क्योंकि उसने विकेटों के बीच अपनी तेज दौड़ को बनाये रखी है। मुझे यह काफी पसंद आया। हीली ने कहा, 'अगर वह इस तरह से बल्लेबाजी करता है, तो मेरा मानना है कि वह एक और साल तक खेल सकता है। टेस्ट क्रिकेट में पिछले कुछ समय से वह फुटवर्क के कारण संघर्ष कर रहा था पर पाक पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उसका फुटवर्क, संतुलन और बल्ले की गति सब कुछ शानदार रहा।

गौरतलब है कि वार्नर को पिछले कुछ समय में खराब प्रदर्शन के कारण काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। टीम के उनके पूर्व साथी मिचेल जॉनसन ने भी कहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में वार्नर की जगह किसी अन्य सलामी बल्लेबाज को अवसर देना चाहिये पर हीली ऐसा नहीं मानते।

अश्विन के पास है लायन का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लायन ने पर्थ टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। लायन ने इस मैच में पांच विकेट लेने के साथ ही अपने नाम 500 टेस्ट विकेट कर लिए हैं। इस ऑफ स्पिनर के नाम 123 टेस्ट मैच में 500 विकेट हो गए हैं। इस प्रकार वह विश्व के उन 8 गेंदबाजों में शामिल हो गये हैं जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 500 से ज्यादा विकेट हैं। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के पास लायन को जल्दी ही पीछे छोड़ने का अवसर है। अश्विन सबसे तेजी से विकेट लेने के मामले में भी लायन को पीछे छोड़ सकते हैं। अब तक सबसे अधिक विकेट लेने वालों में श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 टेस्ट विकेट के साथ ही शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर शेन वार्न 708 और तीसरे नंबर पर जेम्स एंडरसन 690 विकेट हैं। भारतीय स्पिनर कुंबले 619 विकेट लेकर चौथे स्थान पर हैं। कुंबले के बाद स्टुअर्ट ब्रॉड 604, ग्लेन मैक्ग्रा 563, कर्टनी वॉल्श 519 और नाथन लायन 501 का नंबर आता है. अश्विन 500 से अधिक विकेट वाले एलीट क्लब में सबसे पहले शामिल हो सकते हैं क्योंकि अश्विन अभी इस आंकड़े से केवल 11 विकेट से पीछे हैं। अश्विन के पास इसी माह दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर अपने 500 विकेट पूरे करने का अवसर है। अब तक सबसे कम मैचों में मुरलीधरन ने ये विकेट लिए हैं। लायन ने 500 टेस्ट विकेट 123 टेस्ट मैच में लिए हैं जबकि अश्विन इस आंकड़े तक 96 या 97 टेस्ट मैच में ही पहुंच सकते हैं। इससे पहले अश्विन का आंकड़ा अभी 94 टेस्ट मैच में 489 विकेट का है। अगर अश्विन दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2 टेस्ट मैचों में अश्विन 11 विकेट ले लें तो 500 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे।

दक्षिण अफ्रीका को दूसरे एकदिवसीय में हराकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी भारतीय टीम

-रजत और रिंकू को मिल सकता है अवसर

गक्बेरहा (एजेंसी)। के एल राहुल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां दूसरे एकदिवसीय में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले एकदिवसीय में मेजबान टीम भारतीय तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह और आवेश खान के सामने टिक नहीं पायी थी और भारतीय टीम को आठ विकेट से जीत मिली थी। पहले ही मैच में मिली जीत से भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इससे मेजबान टीम पर दबाव बढ़ा है। भारतीय टीम इस दूसरे एकदिवसीय में बल्लेबाज रजत पाटीदार और आक्रामक खिलाड़ी रिंकू सिंह को अवसर दे सकती है।

कप्तान राहुल दक्षिण अफ्रीका के पिछले दौरे में मिली हार का हिसाब भी इस दौरे में सीरीज जीतकर बराबर करना चाहेंगे। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के टेस्ट टीम से जुड़ने के कारण टीम में एक बल्लेबाज के लिए जगह खाली हुई है। जिसके लिए रिंकू और रजत में मुकाबला है। रिंकू ने पिछले एक साल के अंदर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 मैचों में अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि वह हालात के अनुरुप खेलकर टीम को जीत दिलाने में माहिर हैं।

दक्षिण अफ्रीका में उछाल वाली पिचों पर भी रिंकू की बल्लेबाजी सहज रही है। टीम में अभी उनकी भूमिका फिनिशर की है, ऐसे में चौथे क्रम के बल्लेबाज अय्यर की जगह के लिए रजत का दावा ज्यादा मजबूत दिखता है।घरेलू मैचों में वह इसी क्रम पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। पाटीदार 2022 में भी भारतीय एकदिवसीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे थे पर उन्हें अंतिम एकादश में अवसर नहीं मिला था। इसके बाद सर्जरी के कारण वह खेल से बाहर रहे।

इस श्रृंखला में मैच फिनिशर की भूमिका के लिए अनुभवी संजू सैमसन को अवसर दिया गया है। वह छठे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे। लिस्ट ए क्रिकेट में रिंकू का औसत तकरीबन 50 का है, ऐसे में टीम प्रबंधन के लिए दोनो ही अहम हैं। इस मैच में रजत और रिंकू दोनों को भी अवसर मिल सकता है पर ऐसे में तिलक वर्मा या सैमसन में से किसी एक को बाहर बैठना होगा पर इन दोनो को ही बाहर रखे जाने की उम्मीद कम है। पहले मैच में तिलक को केवल तीन गेंद खेलने का मौका मिला जबकि सैमसन को बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। पहले मैच में युवा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतक लगाया था जिससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। वहीं दूसरी ओर मेजबान दक्षिण अफ्रीका के लिए अनुभवी क्विंटन डिकॉक के खेल संन्यास के बाद टीम में तालमेल बनाना भी कठिन हुआ है। डिकॉक की आक्रामक बल्लेबाजी से रासी वैन डेर डुसेन, हेनरिक क्लासेन्स और डेविड मिलर जैसे बल्लेबाज निडर होकर खेल पाते थे पर डिकॉक के बाहर होने के बाद इसमें बाधा आई है। डिकॉक के बिना उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों का सामना करना कठिन होगा।

मेरा प्रदर्शन खराब होने के कारण धोनी को मिली जगह : पार्थिव

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके समय के कई विकेटकीपरों को टीम में जगह मिलना बंद हो गया था । धोनी के उदय के बाद ही दिनेश कार्तिक , दीप दासगुप्ता और पार्थिव पटेल को भविष्य अधर में पहुंच गया था । इसका कारण ये रहा कि धोनी ने टीम में आने के बाद से ही अपनी शानदार विकेटकीपिंग और आक्रामक बल्लेबाजी से अपनी जगह पक्की कर ली थी । धोनी के टीम में आने के बाद कार्तिक और पार्थिव बाहर रहे पर विकेल्प के तौर पर ऋद्धिमान साहा को टीम में कुछ अवसर मिले । अब पार्थिव ने कहा है कि धोनी को टीम में जगह इसलिए मिली क्योंकि मेर प्रदर्शन खराब हो गया था । पार्थिव ने कहा, ' धोनी महान रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है पर अपने पहले कप्तान के लिए आपके मन में जगह होती है और मेरे मन में भी ये है । मैंने सीएसके की ओर से 3 साल तक खेला है । मैं यह कह सकता पर मैंने अपना टेस्ट और एकदिवसीय पदार्पण धोनी के आने से पहले किया था ।.' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा प्रदर्शन खराब हो गया था, इसीलिए धोनी को चुना गया । इसलिए मुझे लगता है कि टीम में जगह उन्हें अपने प्रदर्शन के कारण मिली है ।' टीम में सभी को आने का अवसर मिलता है जिसमें अपने को साबित करना होता है जिसमें धोनी सफल रहे ।

विलियमसन की एक वर्ष बाद हुई टी20 टीम में वापसी

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड के सीमित ओवर कप्तान केन विलियमसन को एकदिवसीय और टेस्ट के बाद अब बंग्लादेश के विरुद्ध खेले जाने वाली घरेलू टी-20 श्रृंखला की भी कप्तानी दी गई है । इस श्रृंखला के साथ ही उनकी एक वर्ष के बाद टी-20 टीम में वापसी हो रही है । जहॉ सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे को टी-20 से आराम दिया गया है, वहीं माइकल ब्रेसवेल, लॉकी फ़र्ग्यूसन, मैट हेनरी और हेनरी शिपली अलग-अलग चोटों के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे । विलियमसन ने अपना पिछला टी-20 पिछले वर्ष नवंबर में भारत के खिलाफ खेला था। उन्हें इस साल के आईपीएल के पहले मैच के दौरान पैरों में चोट लगी थी और उनकी सर्जरी हुई थी । इसके बाद उन्होंने अक्तूबर-नवंबर में हुए वनडे विश्व कप के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी । ट्रेंट बोल्ट जिन्होंने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर नहीं किया है अपने आपको चयन के लिए अनुपलब्ध बताया । टीम में ऑलराउंडर जेम्स नीशम की भी वापसी हुई है तथा तेज गेंदबाज बेन सियर्स को भी टीम में शामिल किया गया है। टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'जिस तरह से हमने एकदिवसीय विश्वकप के लिए अलग से तैयारी की थी और रचिन रवींद्र और मार्क चैपमैन जैसे खिलाड़ी उभरे थे, उसी तरह हम टी-20 विश्वकप की भी तैयारी कर रहे हैं । टिम साइफ़र्ट हमारे लिए एक ऐसे ही नाम हैं, जो टी20 विश्वकप के दौरान ऊपरी क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । अभी टी-20 विश्वकप में समय है और हमें उम्मीद है कि विशेष भूमिकाओं के लिए हमें कुछ और नए खिलाड़ी मिलेंगे। हम टूर्नामेंट की परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजनाएं बना रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम क्रिसमस के बाद 26 दिसंबर को नेपियर में अपना पहला टी-20 मुकाबला खेलेगी ।

मुंबई इंडियंस छोड़कर किसी और टीम के लिए खेल सकते हैं रोहित शर्मा? एक बार फिर खुलेगी ट्रेडिंग विंडो

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल ऑक्शन 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर हार्दिक पंड्या को कप्तानी सौंप कर सबको चौंका दिया। जिसके बाद से लगातार फैंस अपनी नाराजगी जता रहे हैं। कई मुंबई इंडियंस फैंस ने फ्रेंचाइजी को सोशल मीडिया से अनफॉलो कर दिया है। तो कुछ फैंस कह रहे हैं कि, रोहित शर्मा को किसी और टीम में चले जाना चाहिए। लेकिन ट्रेडिंग विंडो 12 दिसंबर को ही बंद हो गई जबकि मुंबई ने अपने नए कप्तान की घोषणा इसके बाद की। वहीं अगर हम ये कहें कि ये संभव है कि रोहित शर्मा आगामी आईपीएल सीजन में किसी और टीम के लिए खेलते दिखें, क्योंकि एक बार ट्रेडिंग विंडो खुलने जा रही है।

दरअसल, दुबई में आईपीएल ऑक्शन 2024 होने जा रहा है। इसके एक दिन बाद यानी 20 दिसंबर को ट्रेडिंग विंडो एक बार फिर खुल जाएगी। तो संभव है कि रोहित शर्मा किसी और टीम में ट्रेडिंग के जरिए चले जाएं। रोहित शर्मा की कप्तानी में 2013 में मुंबई इंडियंस पहली बार चैंपियन बनी थी। उसके बाद 2023 तक उन्होंने टीम को 5 बार चैंपियन बनाया। 2024 आईपीएल सीजन से पहले मुंबई ने अपना कप्तान बदला और रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को चुना, जिन्हे वह ट्रेडिंग के जरिए गुजरात टाइटंस से लाई। इससे फैंस खासा नाराज हैं और कुछ ऐसे संकेत भी है कि जिससे लगता है कि रोहित शर्मा इस फैसले से खुश नहीं हैं और मुंबई इंडियंस कैंप में कुछ ठीक नहीं है।

रोहित शर्मा को कप्तानी पद से हटाने के बाद फैंस कई कयास लगा रहे हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आईपीएल ट्रेड्रिंग जब खुली थी तब दिल्ली कैपिटल्स ने रोहित शर्मा को ट्रेडिंग के जरिए अपने स्क्वॉड में शामिल करने की इच्छा जताई थी लेकिन मुंबई इंडियंस इसके लिए तैयार नहीं था।

शार्दुल, हर्षल पर आईपीएल में बड़ी बोली लगा सकती है कई फ्रेंचाइजी

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पर आईपीएल में कई टीमें बोली लगा सकती हैं। आईपीएल के लिए नीलामी मंगलवार को होगी। इसमें 77 खिलाड़ियों पर बोली लगने की संभावन है। शार्दुल अब आईपीएल नीलामी में 2 करोड़ की बेस प्राइस के साथ उतरेंगे। इस खिलाड़ी पर कई फ्रेंचाइजी बड़ी बोली लगाने वाली हैं। केकेआर भी उन्हें जगह दे सकती है। शार्दुल गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बेहतर हैं। उन्हें 5 से 10 करोड़ की राशि मिल सकती है।

वहीं हर्षल पटेल डेथ ओवर्स के विशेषज्ञ हैं। हर्षल ने अपनी धीम गेंदबाजी से कई बल्लेबाजों को हैरान किया है। हर्षल ने पिछले साल आईपीएल में 11.50 की इकोनॉमी रेट से रन दिये थे। शायद यही वजह रही कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 2024 के लिए हर्षल पटेल को रीटेन नहीं किया था। अब हर्षल आईपीएल नीलामी में उतरेंगे। आरसीबी ने उन्हें पिछली बार 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा था इस बार शायद उन्हें इतनी रकम न मिले।

आईपीएल 2023 में शिवम मावी ने भी शानदार प्रदर्शन किया था। मावी साल 2023 में गुजरात टाइटंस की टीम में थे। शिवम की अपनी स्विंग गेंदबाजी के साथ ही आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह अंतिम ओवरों में बड़े शाट लगा सकते हैं। टी20 मैचों में इस प्रकार के खिलाड़ियों को सभी चाहते हैं। टाइटंस ने पिछली बार 6 करोड़ रुपए में मावी को शामिल किया था। इस बार उन्हें रिलीज कर दिया गया है पर माना जा रहा है कि मावी को एक बार फिर करीब 5 करोड़ का अनुबंध मिल सकता है।

शाहरुख पिछली बार जब आईपीएल नीलामी में उतरे तो उन्हें बेस प्राइस से 22 गुना ज्यादा रकम मिली। इस आक्रामक खिलाड़ी का आधार मूल्य पिछली बार 40 लाख रुपए था पर नीलामी में तब पंजाब किंग्स ने उनपर 9 करोड़ रुपए लगाये थे। शाहरुख अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये और ऐसे में पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया था पर माना जा रहा है कि आईपीएल ऑक्शन 2024 में उन्हें फिर अवसर मिल सकता है।

अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव भारतीय क्रिकेट के खिलाड़ी रहे हैं। उन्हें हालांकि क्षकता के अनुरुप जगह नहीं मिली। आईपीएल 2022 में उमेश यादव ने लगभग हर मैच में नई गेंद से विकेट लिए पर आईपीएल 2023 में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इसी कारण कोलकाता नाइटराइडर्स ने उमेश को रिलीज कर दिया था। आईपीएल 2024 में उमेश को तकरीबन 5 करोड़ रुपए मिलने की संभावना है। आईपीएल नीलामी की इस सूची में जयदेव उनादकट, मनीष पांडे, केएस भरत, करुण नायर, चेतन सकारिया, सिद्धार्थ कौल जैसे खिलाड़ी भी हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लिवरपूल को ड्रॉ पर रोका, आर्सेलन तालिका में फिर से शीर्ष पर

लिवरपूल । मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में लिवरपूल को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया जबकि आर्सेनल ने रविवार को ब्रिगटन को 2-0 से शिकस्त दी । लिवरपूल इस ड्रॉ मुकाबले बाद तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया जबकि आर्सेनल एक बार फिर से शीर्ष पर काबिज हो गया। आर्सेनल और लिवरपूल के नाम मौजूदा सत्र में 17-17 मैचों में क्रमशः 39 और 38 अंक है । मैनचेस्टर यूनाइटेड को लिवरपूल ने इस साल मार्च में 0-7 के बड़े अंतर से हराया था लेकिन नये कोच एरिक टेन हैग की देख रेख में टीम ने अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करते हुए एक भी गोल करने का मौका नहीं दिया। आर्सेनल ने दूसरे हाफ में गैब्रियल जेसुस और काइ हैवट्र्ज के गोल से पर ब्रिगटन को शिकस्त दी । तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज एस्टन विला ने ने ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हराया । विला की टीम पहले हाफ के आखिरी क्षण में कीन लुईस-पॉटर के गोल के बाद 0-1 से पिछड़ रही थी लेकिन एलेक्स मोरेनो और ओली वाटकिंस ने दूसरे हाफ में गोल कर टीम को जीत दिला दी । ब्रेंटफोर्ड के बेन मी को 71वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया जिसके बाद टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ मैच खेलना पड़ा । मोहम्मद कुदुस के दो गोल के दम पर वेस्ट हैम ने वोल्व्स को 3-0 से हराया । कुदुस ने 10 मिनट के अंदर दो गोल किए । टीम के एक और गोल डेविड मोयेस ने किया ।

ग्रांड मास्टर शतरंज में हरीकृष्णा की सयुंक्त बढ़त बरकरार

चेन्नई । भारत के शतरंज इतिहास के सबसे बड़े क्लासिकल सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में हरिकृष्णा की संयुक्त बढ़त बरकरार है । हालांकि पुरस्कार की दृष्टि से यह सबसे बड़ी शतरंज प्रतियोगिता बताई जा रही है । इसे चेसबेस इंडिया, एमजीडी1 और नोडविन गेमिंग द्वारा आयोजित तथा तामिलनाडु राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है । इसमें जीतने वाले के लिए 50 लाख रुपये पुरूस्कार राशि रखी गई है । टर्नामेंट के दूसरे दिन हंगरी के सनन स्जुगिरोव जीतने वाले अकेले खिलाड़ी रहे उन्होने इस मुक़ाबले में कल जीत दर्ज करने वाले उक्रेन के पावेल एलजनोव को पराजित किया। अन्य तीन मुकाबलों में भारत के अर्जुन एरिगासी नें हमवतन डी गुकेश से, ईरान के परहम मघसूदलू नें यूएसए के लेवान अरोनियन से और कल जीत दर्ज करने वाले भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें सर्बिया के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके से बाजी ड्रॉ खेली । हालांकि अब दो राउंड के बाद फिलहाल भारत के पेंटाला हरिकृष्णा और हंगरी के सनन स्जुगिरोव 1.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है । वहीं आज दूसरे राउंड का उदघाटन करने के लिए पाँच बार के विश्व चैम्पियन और वर्तमान फीडे उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद पहुंचे । उन्होने अपने शिष्य गुकेश के बोर्ड पर पहली चाल चलकर राउंड का विधिवत उदघाटन किया ।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने सभी खिलाड़ियों को दिया बराबरी का दर्जा : जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने सभी खिलाड़ियों को बराबरी का दर्जा दिया है, यह बात पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने कही। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने विशेष रूप से विकलांग एथलीटों को आगे बढ़ने और चमकने का एक बड़ा मंच दिया है। बता दें कि जडेजा सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टूर्नामेंट के विजेताओं को पुरस्कार देने के लिए जेएलएन स्टेडियम में थे। यहां फाइनल में केरल ने तमिलनाडु को 7-0 से हराया। खेलो इंडिया पैरा गेम्स से इतर बोलते हुए, जडेजा ने कहा कि कोई भी पैरा स्पोर्ट्स की तरफ नहीं देखता था। अब, इस पहल के साथ, सभी के साथ समान व्यवहार किया जा रहा है और सरकार वास्तव में उस बात पर अमल कर रही है जब वे खेलेगा इंडिया तो जीतेगा इंडिया कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ने ही बाकी सभी खेलों के लिए शानदार काम किया है, अब ग्रामीण क्षेत्रों से एथलीटों को शामिल करने के लिए एक संरचना तैयार की गई है। यह संरचना प्रतिभाओं को पनपने का मौका देती है।

उन्होंने कहा कि इसमें सभी खिलाड़ियों को समानता भी दी गई है। एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों दोनों में देश की सौ से अधिक पदक उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। इससे भागीदारी का आंकड़ा बढ़ गया है। इसके पीछे खेलो इंडिया का अहम योगदान रहा है। मैं यह विश्वास करना चाहूंगा कि इस खेलो इंडिया पैरा गेम्स की सफलता पदकों की संख्या में नहीं बल्कि भागीदारी के आंकड़ों में है। इतने सारे एथलीटों का भाग लेना, एक सुव्यवस्थित कार्यक्रम और मीडिया का इतना प्रोत्साहन इसे एक बहुत ही सफल आयोजन बनाता है। मैं उन्हें पेरिस पैरालंपिक के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

जड़ेजा ने कहा कि मैं यह भी आशा और प्रार्थना करता हूं कि हर खेल प्रतियोगिता को अब सिर्फ एक कार्यक्रम के रूप में नहीं बल्कि एक यात्रा के रूप में देखा जाए। पदक वितरण समारोह में भी आए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टीमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि फीफा का नारा है फुटबॉल यूनाइट्स वर्ल्ड और मैं यह कहने का अवसर लेता हूं कि सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टीमों को भी हमारी मौजूदा एआईएफएफ लीग के दौरान खेल में शामिल किया जाएगा।

विशाल श्री श्याम भजन संध्या का हुआ आयोजन

सूरत,

लखदातार सेवा समिति द्वारा बाबा श्याम के जन्मोत्सव एवं समिति के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन रविवार को किया गया । समिति के संरक्षक विजय कुमार तोदी ने बताया कि इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य दरबार वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर के लखदातार हॉल में सजाया गया । श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम सवा पाँच बजे से अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की गई । इसके पश्चात विशाल भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकारों के अलावा वाराणसी से आमंत्रित संजीव शर्मा ने भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी । इस दौरान उनके भजन "दानी होकर क्यों चुप बैठा... ये कैसी दातारि रें" एवं "दिलदार कन्हैया ने मुझको अपनाया हैं" पर भक्त भाव विभोर हो गये ।

देर रात तक चली भजन संध्या में अखण्ड ज्योत, भव्य दरबार, इत्र-फुहार, पुष्प-वर्षा, छप्पन भोग, श्रीश्याम रसोई आदि आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे । इस मौक़े पर समिति के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें ।

पीएम मोदी द्वारा इंटरप्रिटेशन कोर्स का सुझाव देने के बाद वीएनएसजीयू में हुई बैठक

सूरत।

सूरत आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी (वीएनएसजीयू) में इंटरप्रिटेशन कोर्स शुरू करने के दिए गए सुझाव के बाद राज्य सरकार हरकत में आ गई है। जिसके चलते आज राज्य के शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी में एक अहम बैठक हुई। बैठक में एक महत्वपूर्ण चर्चा हुई कि भाषा में कोम्युनिकेशन गेप न हो और विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्या (इन्टरप्रीटेशन) और अनुवाद (ट्रान्सलेशन) पाठ्यक्रम संचालित किया जाए और छात्रों को एक नया अवसर मिले। बैठक में कुलपति और विश्वविद्यालय की टीम के साथ बैठक में आगामी दिनों में व्याख्या एवं अनुवाद पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुरोध के बाद राज्य सरकार ने भी कार्रवाई की है। आज वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय में राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पानसेरिया की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। बैठक में दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी के कुलपति किशोर सिंह चावड़ा और यूनिवर्सिटी की टीम

भी मौजूद थी। इस मौके पर राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पानसेरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के बाद राज्य सरकार ने इस मामले में व्याख्या और अनुवाद पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए एक तत्काल बैठक बुलाई है। आज हुई इस बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति और टीम के बीच आने वाले दिनों में व्याख्या और अनुवाद पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर गहन चर्चा हुई है।

यह एक प्रयास है कि विश्वविद्यालय द्वारा इस कोर्स को शुरू किया जाए और छात्रों को एक नया अवसर भी मिले। पहले सूरत में 84 देशों के जहाज व्यापार के लिए आते थे, लेकिन अब सूरत में 150 देशों से लोग डायमंड बुर्स में व्यापार के लिए आऐंगें। इससे यहां विदेश से आने वाले लोगों की आवाजाही भी बढ़ने वाली है। विश्वविद्यालय में व्याख्या और अनुवाद पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया है ताकि बाहर से आने वाले लोग और स्थानीय लोग एक-दूसरे की भाषा समझ सकें। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से काफी रुचि दिखायी गयी है। इसके लिए शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय को बधाई दी।

कैंसर पीड़ितो के लिये वुमन बॉक्स क्रिकेट का हुआ आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप द्वारा कैंसर पीड़ितो के लिये वुमन बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन रविवार को वेसू स्थित फ्रेंड्स क्लब ग्राउण्ड टर्फ पर किया गया । ग्रुप की संस्थापक पूनम पाराशर ने बताया कि टूर्नामेंट में सौ से ज़्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया । आयोजन में सुरेश गोंडालिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे । ग्रुप के निदेशक डा. मुकेश पाराशर ने बताया कि टूर्नामेंट में आर्किड टीम विजेता एवं सुहानी टीम उपविजेता बनी । ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप द्वारा साल भर ज़रूरतमंद महिलाओं के लिए फ्री चेक अप, कैंसर पर सेमिनार आदि आयोजित किए जाते है ।

नियोजन आयोनिक्स लिमिटेड ने ग्रीनफील्ड साइट पर उन्नत बैटरी सामग्री सुविधा स्थापित करने के लिए गुजरात में भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया

अपनी भविष्य की विस्तार रणनीति के अनुसरण में और ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए एक ठोस कदम के रूप में, नियोजन केमिकल्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी नियोजन आयोनिक्स लिमिटेड ने लगभग 65 के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। गुजरात के दाहेज पीसीपीआईआर में पखाजन में एक एकड़ जमीन की घोषणा की है। इस हरित क्षेत्र में बैटरी सामग्री और नए भविष्य के अवसरों के लिए समर्पित योजना से 30,000 मीट्रिक टन इलेक्ट्रोलाइट्स और 4,000 मीट्रिक टन इलेक्ट्रोलाइट लवण का उत्पादन होगा और पहले चरण में एडिटिव्स का उत्पादन किया जाएगा। एमयूआईएस (मित्सुबिशी केमिकल कॉर्पोरेशन (एमसीसी) और यूबीई कॉर्पोरेशन और जापानी मांधाता की मित्सुबिशी केमिकल कॉर्पोरेशन ग्रुप कंपनी के बीच एक संयुक्त उद्यम उत्पादन प्रौद्योगिकी लाइसेंस का उपयोग करके इलेक्ट्रोलाइट संयंत्र स्थापित करेगा, जबकि योजना इलेक्ट्रोलाइट साल्ट परियोजना की इन-हाउस तकनीक पर आधारित होगा, जिसे लिथियम साल्ट के उत्पादन में अपने 35 वर्षों के अनुभव का उपयोग करके इन-हाउस विकसित किया गया था।

एमयूआईएस दुनिया भर में पांच संयंत्र संचालित करता है और लिथियम-आयन बैटरी के लिए इलेक्ट्रोलाइट्स के उत्पादन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। नियोजेन द्वारा एमयूआईएस प्रौद्योगिकी को अपनाना यह सुनिश्चित करता है । नियोजन इलेक्ट्रोलाइट्स सिद्ध प्रौद्योगिकी के आधार पर निर्माण करता है और उत्पादकता और गुणवत्ता के लिए स्थापित वैश्विक मानकों का पालन करता है। यह प्रतिबद्धता इन इलेक्ट्रोलाइट्स का उपयोग करके निर्मित बैटरियों की सुरक्षा की गारंटी देती है। नियोजन आयोनिक्स का संयंत्र 2025 की दूसरी छमाही (वर्ष के दूसरे चरण) में चालू होने की उम्मीद है। नियोजन को उम्मीद है कि ये इलेक्ट्रोलाइट्स भारत में लिथियम-आयन सेल निर्माताओं की बढ़ती मांग और इलेक्ट्रोलाइट साल्ट और एडिटिव्स के लिए तेजी से बढ़ती अंतरराष्ट्रीय ओईएम मांग को पूरा करेंगे।

तनिष्क का गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम भारत भर में 1 लाख दुल्हनों को सुनहरी खुशियां प्रदान करेगा

सूरत। जीवन के सफर में सबसे महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक शादी, प्यार और वचनों को एक साथ जोड़ते हुए, खूबसूरत जिन्दगी की ओर लेकर जाता है। गुणवत्ता और अतुलनीय डिज़ाइन के लिए नवाज़ा जाने वाला, भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी ब्रांड और टाटा समूह का एक सदस्य, तनिष्क कई सालों से देश भर की शादियों का एक सबसे अहम हिस्सा रहा है। आने वाले वेडिंग सीज़न के लिए तनिष्क ने नयी 'गोल्ड एक्सचेंज पॉलिसी' लाकर, विश्वसनीयता, पारदर्शिता और आज के लगातार बदलते हुए मार्केट में दुल्हनों के लिए अतुलनीय मूल्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है।

हर घंटे 100 से लोग बहुत ही खुशी से तनिष्क एक्सचेंज कम्युनिटी में शामिल हो रहे हैं। आने वाले कुछ महीनों में 35 लाख से ज़्यादा शादियां होने वाली हैं, उनके गोल्ड एसेट्स के लिए तनिष्क का 'गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम' इष्टतम मूल्य प्रदान करने का वचन देता है। इस पॉलिसी में उपभोक्ताओं के पुराने सोने से तनिष्क के नए, आकर्षक डिज़ाइन बनाए जाते हैं, जो शादी जैसे महत्वपूर्ण दिन पर पहनने के लिए सबसे सही होते हैं। तनिष्क के गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम में उपभोक्ताओं को भारत में किसी भी ज्वेलर से खरीदे गए, 22 या उससे ज़्यादा कैरेट के पुराने सोने पर 100%* वैल्यू मिलता है। इसके अलावा, वर्तमान सोने की दरों की चिंता किए बिना, दुल्हनें बहुत ही आसानी से अपने पुराने सोने को एक्सचेंज करके तनिष्क के शानदार नए डिज़ाइन ले सकती हैं, जिसके लिए किसी भी अतिरिक्त भुगतान की आवश्यकता नहीं होती है। यह बहुत ही आसान प्रक्रिया उन्हें न केवल उत्कृष्ट नए आभूषण दिलाती है बल्कि मार्केट के मौजूदा उतारचढ़ावों से बचने के लिए एक समझदार समाधान भी प्रदान करती है।

पूरे साल भर चलने वाला तनिष्क का एक्सचेंज प्रोग्राम उपभोक्ताओं की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, जो उनके लिए संभावनाओं का बड़ा खज़ाना खोलता है।

तनिष्क की प्रतिबद्धता मात्र आभूषण बनाने और बेचने तक ही सीमित नहीं है, यह ब्रांड हर दुल्हन की अनोखी जीवन यात्रा का हिस्सा बनता है। रिवाह बाय तनिष्क, वेडिंग एक्सक्लूसिव सब-ब्रांड में बहुत ही शानदार और बारीकी से बनाए गए कलेक्शन प्रस्तुत किए गए हैं। रिवाह बाय तनिष्क आज भारत भर की दुल्हनों की पहली पसंद बन चूका है। बहुत ही कलात्मक ढंग से

बनाई गयी रिवाह की ब्राइडल ट्रूसो रेन्ज समृद्ध और कालातीत परंपराओं का प्रतिबिंब है, इसके आभूषण हर दुल्हन को उसके जीवन के सबसे खास दिन पर बहुत खास होने का एहसास दिलाते हैं। वेडिंग सेगमेंट की बढ़ती हुई मांगों को पूरा करने के लिए, तनिष्क ने कई आकर्षक कलर स्टोन्स, चमकदार सोने, हीरे, खूबसूरत पोल्की और कुंदन के कई डिज़ाइन प्रस्तुत किए हैं जो शादी में हल्दी, मेहंदी, संगीत से लेकर सबसे महत्वपूर्ण शादी के दिन तक की सभी रस्मों के लिए परफेक्ट हैं।

बजाज आलियांज लाइफ की प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुँची

पुणे । भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) को 1,00,000 करोड़ रु. से अधिक बढ़ाकर आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। यह उपलब्धि कंपनी और इसकी निवेश दक्षता में ग्राहकों के गहरे विश्वास को रेखांकित करता है जो उन्हें उनके दीर्घकालिक जीवन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक है।

हाल के वर्षों में व्यवसाय के हर पहलू में बजाज आलियांज लाइफ की परिवर्तनकारी यात्रा ने इसे शीर्ष 10 निजी जीवन बीमाकर्ताओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाले बीमाकर्ता कंपनियों में से एक बनने के लिए बल प्रदान किया है। वित्त वर्ष 2020 के 56,085 करोड़ रुपये से 1.8 गुना बढ़कर चालू वित्त वर्ष में इसके एयूएम का 1,00,000 करोड़ रुपये होना इसकी झलक देता है। नवोन्मेषी, ग्राहकोन्मुखी उत्पादों पर जोर, मजबूत ओमनीचैनल वितरण पर बल और ठोस डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी ढांचे द्वारा समर्थित शीर्ष स्तरीय सेवाएं इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के प्रमुख वाहक रहे हैं। ऐसे दमदार बदलाव को सक्षम बनाने में ग्राहकों का विश्वास सर्वोपरि है और इस दिशा में की गई हर पहल इस विश्वास को और मजबूत करने के लिए है।

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तरुण चुघ ने कहा, "यह उपलब्धि हमारे अनमोल ग्राहकों द्वारा हम पर जताए गए अटूट विश्वास का प्रमाण है। बजाज आलियांज लाइफ में, हम इस क्षण के महत्व की गहराई से सराहना करते हैं, जो हमारे ग्राहकों को लगातार सशक्त बनाने और उन्हें उनके जीवन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के हमारे संकल्प को मजबूती देती है। नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है, क्योंकि ये वो आधारशिलाएं हैं जिन पर हमारे ग्राहक वित्तीय रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए अपना भरोसा बनाए रखते हैं। निवेश के नजरिए से, हम अपने फंडों में मजबूत, जोखिम-समायोजित प्रदर्शन देने, हमारी दीर्घकालिक निवेश रणनीतियों में हमारे ग्राहकों के विश्वास को मजबूत करने के लिए समर्पित हैं।"

विभिन्न सही निवेश रणनीतियों और ग्राहकों को सर्वोपरि प्राथमिकता देने की सोच के माध्यम से बजाज आलियांज लाइफ ने विशेष रूप से पिछले 3 वर्षों (अगस्त 2023 को समाप्त) में अपने विकास को गति दी है। बजाज आलियांज लाइफ के लिए व्यक्तिगत नए बिजनेस एपीई (वार्षिक प्रीमियम समतुल्य) में 41.3ब सीएजीआर की वृद्धि हुई है, जबकि समग्र उद्योग में 13.5ब सीएजीआर की वृद्धि हुई है और निजी क्षेत्र में 22.4% सीएजीआर की वृद्धि हुई है।

बजाज ऑटो ने पल्सरमेनिया मास्टर्स एडिशन के नेशनल फिनाले का आयोजन किया

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित दोपहिया एवं तिपहिया कंपनी बजाज ऑटो ने पल्सरमेनिया: मास्टर्स एडिशन का आयोजन किया, 100 शहरों में आयोजित इस प्रतियोगिता को ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 25 हज़ार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और 1 लाख से अधिक दर्शकों ने इसका आनंद उठाया।

मंबई में नेशनल फिनाले ने उपस्थितगणों को रोमांच से भरपूर अनुभव प्रदान किया, और साथ ही सर्वश्रेष्ठ राइडरों को पल्सर पर अपनी मास्टरी, सटीकता और जुनून की जांच करने का मौका मिला। एलिमिनेशन स्टाइल के फोर्मेट ने प्रतियोगिता के रोमांच को कई गुना बढ़ा दिया और सुनिश्चित किया कि सबसे कुशल राइडर ही विजेता घोषित किए जाएं।

रोमांच से भरपूर प्रतियोगिता एंटरटेनमेन्ट का बेहतरीन मिश्रण साबित हुई, जहां भारत के जाने-माने कलाकारों के परफोर्मेन्सेज़, हैरतअंगेज़ करने वाले स्टंट शोज़, शानदार स्ट्रीट कल्चर स्टेशन और एक्सक्लुज़िव ब्राण्ड कोलाबोरेशन्स ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह आयोजन मोटरसाइक्लिंग और लाईफस्टाइल कम्युनिटीज़ का अनूठा संयोजन था। पल्सरमेनिया- मास्टर्स एडिशन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं थी; बल्कि इसने पलसर ब्राण्ड के साथ दर्शकों को बेजोड़ अनुभव प्रदान किया।

इस आयोजन के बारे में बात करते हुए सारंग कनाडे (प्रेज़ीडेन्ट, मोटरसाइकिल बिज़नेस), बजाज ऑटो लिमिटेड ने कहा, ''पिछले बाईस सालों में हमने देश भर में 'पल्सरमेनियक्स' की ज़बरदस्त फॉलोइंग बनाई है, जो बाईक के सटीक इंजीनियर्ड डीएनए और इसके एटीट्यूड

के लिए इसे खूब पसंद करते हैं। पल्सरमेनिया मास्टर्स एडीशन सिर्फ प्रतियोगिता नहीं है, यह पल्सर की भावना का जश्न है। पल्सरमेनिया मास्टर्स एडीशन में 100 से अधिक शहरों से राइडरां ने हिस्सा लिया। हमने हर किसी को उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए कार्यक्रमों की एक रेंज क्यूरेट की है, फिर चाहे वे शौकीन राइडर हों, मोटरस्पोर्ट प्रशंसक या स्टाइल और संस्कृति के प्रशंसक।'

सस्टेनेबिलिटी रेटिंग में लैंक्सेस फिर से शीर्ष स्थान पर

मुंबई । केमिकल कंपनी लैंक्सेस ने एक बार फिर दिखाया है कि वह टिकाऊ विकास के मामले में कितनी आगे है। इस कंपनी ने डॉव जोन्स सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स (डीजेएसआई) यूरोप में "केमिकल्स" श्रेणी में 100 में से 79 अंक प्राप्त करके पहला स्थान हासिल किया है। डीजेएसआई वर्ल्ड में यह कंपनी तीसरे स्थान पर रही है। लैंक्सेस ने जल, उत्पाद प्रबंधन और व्यावसायिक सुरक्षा श्रेणियों में विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है।

नवंबर में रेटिंग एजेंसी एमएससीआईईएसजीने लगातार तीसरी बार लैंक्सेस की ॅरेटिंग बरकरार रखी है। यह रेटिंग इस स्पेशियलिटी केमिकल कंपनी को "डाइवर्सिफाइड केमिकल" इंडस्ट्री की टॉप कंपनियों में से एक बनाती है।

इसके अलावा, इकोवाडिस ने अगस्त में लैंक्सेस की प्लैटिनम सस्टेनेबिलिटी रेटिंग की पुष्टि की थी। यह गौरव इकोवाडिस द्वारा मूल्यांकित 100,000 से ज्यादा कंपनियों में से ऊपर की 1 फीसदी कंपनियों को प्रदान किया जाता है।

लैंक्सेस एजी के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य ह्यूबर्ट फिंक ने कहा च्व्हम सक्रिय रूप से इंडस्ट्री और ग्लोबल वैल्यू चेन के बदलाव को आकार देना चाहते हैं और इस प्रकार अधिक टिकाऊ भविष्य बनाने में अपना योगदान करना चाहते हैं। डॉव जोन्स सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स में कंपनी की रैंकिंग और एमएससीआई ईएसजी और इकोवाडिस द्वारा अच्छी रेटिंग यह साबित करती है कि हम सही रास्ते पर हैंज्।

डॉव जोन्स सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स और एमएससीआई ईएसजी दोनों ही पर्यावरण, सामाजिक जिम्मेदारी और कॉर्पोरेट गवर्नेंस के क्षेत्रों में कंपनियों का मूल्यांकन करते हैं।इकोवाडिस पर्यावरण, श्रम और मानवाधिकार, नैतिकता और सस्टेनेबल प्रोक्योरमेंट (टिकाऊ खरीद) के क्षेत्रों में कंपनियों का मूल्यांकन करता है।

एक्यूट लिवर फेलियर से पीड़ित 19 वर्षीय लडकी का ग्लोबल अस्पताल में सफल इलाज भारत में तीव्र यकृत संबंधी बिमारी की मात्रा 1-2% है

मुंबई । एक्यूट लिवर फेलियर से पीड़ित गुजरात में रहनेवाली 19 वर्षीय लडकी का परेल स्थित ग्लोबल अस्पताल में सफलतापूर्वक इलाज किया गया हैं।

गुजरात के अंकलेश्वर में रहने वाले मरीज कृष्णा भानुशाली को अचानक पीलिया हो गया था और तीन दिन में ही उन्हें नींद आने लगी। समय रहते इलाज नही होता तो मृत्यु का खतरा था।

ग्लोबल अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार हेपेटोलॉजिस्ट और क्लिनिकल लीड लिवर और ट्रांसप्लांट आईसीयू डॉ. उदय सांगलोडकर ने कहाँ की, च्मरीज 14 नवंबर को एक आपातकालीन स्थिति में आया था। वह बहुत कम रक्तचाप, बढ़ी हुई हृदय गति और हेमोडायनामिक रूप से अस्थिर स्थिति के साथ कोमा की स्थिति में थी। तीव्र यकृत विफलता (एएलएफ) के कारण, उसका खून पतला था और उसे मुंह और नाक से रक्तस्राव हो रहा था। लिवर की विफलता के कारण मस्तिष्क के अंदर सूजन और ग्रेड IV कोमा के कारण उसका अमोनिया स्तर बहुत अधिक हो गया था। भारत में तीव्र यकृत बिमारी की मात्रा 1-2% के आसपास है। यदि समय पर इलाज न किया जाए तो एएलएफ में मृत्यु दर लगभग 50 से 75 है। आमतौर पर, यह वायरल संक्रमण (एचएवी, एचईवी) अस्वच्छ भोजन और पानी के माध्यम से फैलता है।

मरीज को एएलएफ से साथ भर्ती किया गया था। ऐसी स्थिती में कई बार मरीज को यकृत प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती हैं। यह सोचकर मरीज का यकृत प्रत्यारोपण करने की सलाह दी। मरीज के बहन के आगे आकर यकृत दान करने की इच्छा व्यक्त की। लेकिन हमने धीमी किडनी डायलिसिस (सीआरआरटी) में उसकी सहायता की, जिससे मस्तिष्क के अंदर की सूजन को कम करने के लिए अमोनिया को हटाने में मदद मिली। निरंतर रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी (सीआरआरटी) और प्लाज्मा एक्सचेंज (पीई) जैसी उन्नत चिकित्सा तकनीकों का उपयोग करके उसका सफलतापूर्वक इलाज किया गया। इस कारण मरीज को यकृत प्रत्यारोपण की जरूरत नही पडी।

डॉ. सांगलोडकर ने आगे कहाँ की, प्लाज्मा एक्सचेंज (एक प्रकार का एक्स्ट्राकोर्पोरियल डायलिसिस) किया जाता है, जिसमें मरीज के विषाक्त पदार्थों और हानिकारक अपशिष्ट वाले रक्त को ताजा प्लाज्मा से बदल दिया जाता है ताकि लिवर को सहारा दिया जा सके और जमावट और हेमोडायनामिक मापदंडों को सही किया जा सके। एक सप्ताह के उपचार के बाद, उसे वेंटीलेटर से हटा दिया गया। मरीज की सेहत में सुधार देखकर उसे 3-4 दिनों में डिस्चार्ज किया गया।"

लीवर प्रत्यारोपण कराने की सभी तैयारियां कर दी गई थीं क्योंकि ऐसा न करने से मृत्यू का खतरा था। जबकि तीव्र यकृत मरीजों

को अक्सर तत्काल यकृत प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। लेकिन अत्याधुनिक सीआरआरटी और प्लाज्मा एक्सचेंज जैसी प्रक्रिया के कारण प्रत्यारोपण की जरूरत नही पडी।

मरीज कृष्णा भानुशाली ने उसके जीवन की रक्षा करने और प्रत्यारोपण को रोकने के लिए ग्लोबल हॉस्पिटल की उत्कृष्ट लिवर क्रिटिकल केयर यूनिट टीम को धन्यवाद दिया हैं। वह अपने कॉलेज जीवन में लौटने और पहले की तरह इसका आनंद लेने के लिए उत्सुक है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)